

સૌજન્ય :- માતૃશ્રી લિલબાઈ હંસરાજ પરિવાર ગામ નવાવાસ પ્રેરણા :- બિકેશકુમાર (રાયાણ)

साइं नामगोयाइं साहेह ता समणस्स भगवओ महावीरस्स सब्बओ समंता जोयणपरिमंडलं जंकिंचि तणं वा पत्तं वा कट्टुं वा सक्ररं वा कयवरं वा असुइं अचोकखं वा पूङ्गं दुभिगंधं तं सब्बं आहुणिय आहुणिय एंगंते एडेइ ता णच्चोदगं णाइमद्वियं पविरलपफुसियं रयरेणुविणासणं दिव्वं सुरभिगंधोदयवासं वासइ ता णिहयरयं णद्वरयं भद्वरयं उवसंतरयं पसंतरयं करेह ता जलथरयभासुरप्पभूयस्स बिंट्डाइस्स दसद्ववण्णस्स कुसुमस्स जाणु (प्र० जण्णु) स्सेहपमाणमित्तं ओहिं वासं वासह ता कालागुरुपवरकुंदुरुक्कथूवमघमघंतंगंधूयाभिरामं सुगंधवरगंधियं दिव्वं सुरवराभिगमणजोग्गं करेह कारवेह ता य खिप्पामेव एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ।७। तए णं ते आभियागिया देवा सूरियाभेण देवेणं एवं वुत्ता समाणा हट्टुतुट्टजावहिया करयलपरिग्हियं सिरसावत्तं मथए अंजलिं कट्टु एवं देवो तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति ता उत्तरपुरच्छिमं दिसिभागं अवक्कमंति ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निस्सरन्ति, तं०-रयणाणं वयराणं वेरुलियाणं लोहियकखाणं मसारगल्लाणं हंसगव्वभाणं पुलगाणं (प्र० पुग्गलाणं) सोगंधियाणं जोइरसाणं अंजणपुलगाणं अंजणाणं रयणाणं जायरुवाणं अंकाणं फलिहाणं रिह्वाणं० अहाबायरे पुग्गले परिसाडंति ता अहासुहुमे पुग्गले परियायंति ता दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति ता उत्तरवेउव्वियाइं रुवाइं विउव्वंति ता ताए उक्किह्वाए तुरियाए चवलाए चंडाए जयणाए सिग्घाए उद्धुयाए दिव्वाए देवगर्हीए तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्वाणं मज्जंमज्जेणं वीइवयमाणे २ जेणेव जंबुद्दीवे दीवे जेणेव भारहे वासे जेणेव आमलकप्पा णयरी जेणेव अंबसालवणे चेतिए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छन्ति ता समणं भगवं तिकखुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेंति ता वंदति नमंसंति ता एवं व०-अम्हे णं भंते ! सूरियाभस्स देवस्स आभियोगिया देवा देवाणुप्पियं वंदामो णमंसामो सक्रारेमो सम्माणेमो कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पञ्जुवासामो ।८। देवाइ ! समणे भगवं महावीरे ते देवा एवं व०-पोराणमेयं देवा ! जीयमेयं देवा ! किच्चमेयं देवा ! करणिजमेयं देवा ! आइन्नमेयं देवा ! अब्भणुण्णायमेयं देवा ! जण्णं भवणवइवाणमंतरजोइसियवेमाणिया देवा अरहंते भगवंते वंदति नमंसति ता तओ साइं २ णामगोयाइं साधिंति तं पोराणमेयं देवा ! जाव अब्भणुण्णायमेयं देवा ! ९। तए णं ते आभिओगिया देवा समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा हट्टजावहिया समणं भगवं० वंदति णमंसंति ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमंति ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निस्सरन्ति तं०-रयणाणं जाव रिह्वाणं० अहाबायरे पोग्गले परिसाडंति ता दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति ता संवद्वाए विउव्वंति, से जहाणामए भइयदारए सिया तरुणे जुगवं बलवं (जुवाणे प्र०) अप्पायंके थिरसंघयणे थिरग्गहृथे पडिपुण्णपाणिपायपिह्वंतरोरुपरिणए घणनिचियवद्ववलियखंधे चम्मेहुगदुघणमुद्वियसमाह्यगते उरस्सबलसमन्वागए तलजमलजुयल (फलिहनिभ पा०) बाहू लंघणपवणजइणपमद्वणसमत्थे छेए दक्खे पह्वे कुसले मेहावी णिउणसिप्पोवगए एंगं महं दंडसंपुच्छणिं वा सलागाहृथं वा वेणुसलाइयं वा गहाय रायंगणं वा रायंतेपुरं वा देवकुलं वा सभं वा पवं वा आरामं वा उज्जाणं वा अतुरियमचवलमसंभंते निरंतरं सुनिउणं सब्बतो समंता संपमज्जेज्जा एवामेव तेऽवि सूरियाभस्स देवस्स आभिओगिया देवा संवद्वाए विउव्वंति ता समणस्स भगवओ महावीरस्स सब्बतो समंता जोयणपरिमंडलं जंकिंचि तणं वा पत्तं वा तहेव सब्बं आहुणिय २ एंगंते एडेंति ता खिप्पामेव उवसमंति ता दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति ता अब्भवद्वलए विउव्वन्ति से जहाणामए भइगदारगे सिया तरुणे जाव सिप्पोवगए एंगं महं दगवारगं वा दगथालगं वा दगकलसगं वा दगकुंभगं वा आरामं वा जाव पवं वा अतुरियं जाव सब्बतो समंता आवरिसेज्जा एवामेव तेऽवि सूरियाभस्स देवस्स आभियोगिया देवा अब्भवद्वलए विउव्वंति ता खिप्पामेव पयणुतणायन्ति ता खिप्पामेव विज्जुयायंति ता समणस्स भगवओ महावीरस्स सब्बओ समंता जोयणपरिमंडलं णच्चोदगं णातिमद्वियं तं पविरलपफुसियं रयरेणुविणासणं दिव्वं सुरभिगंधोदगं वासं वासंति ता णिहयरयं णद्वरयं भद्वरयं उवसंतरयं पसंतरयं करेंति ता खिप्पामेव उवसामंति ता तच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति ता पुप्फवद्वलए विउव्वंति, से जहाणामए मालागारदारए सिया तरुणे जाव सिप्पोवगए एंगं महं पुप्फ-(१४३) पडलगं वा पुप्फचंगेरियं वा पुप्फछज्जियं वा गहाय रायंगणं वा जाव सब्बतो समंता कयग्गाहगहियकरयलपब्मद्वविप्पमुक्केणं दसद्ववग्नेणं कुसुमेणं मुक्कपुप्फपुंजोवयारकलितं करेज्जा एवामेव ते सूरियाभस्स देवस्स आभिओगिया देवा पुप्फवद्वलए

विउवंति ता खिप्पामेव पयणुतणायन्ति ता जाव जोयणपरिमण्डलं जलथलयभासुरप्पभूयस्स बिंटडाइस्स दसद्ववन्नकुसुमस्स जाणुस्सेहपमाणमेत्तं ओह्वासं वासंति ता कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमधमंतंधुद्युभिरामं सुगंधवरगंधियं गंधवद्विभूतं दिव्वं सुरवराभिगमणजोगं करंति कारयंति खिप्पामेव उवसामंति ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति ता समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो जाव वंदित्ता नमंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियातो अंबसालवणातो चेइयाओ पडिनिकखमंति ता ताए उक्किंडाए जाव वीइवयमाणे २ जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव सूरियाभे विमाणे जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छंति ता सूरियाभं देवं करयलपरिग्गहियं सिरसावतं मथए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्वावेति ता तमाणत्तियं पच्चप्पिणति ।१०। तए णं से सूरियाभे देवे तेसिं आभियोगियाणं देवाणं अंतिए एयमद्वं सोच्चा निसम्म हृष्टुद्वजावहियए पायत्ताणियाहिवइं देवं सद्वावेति ता एवं व०-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सूरियाभे विमाणे सभाए सुहम्माए मेघोघरसियगंभीरमहुरसद्वं जोयणपरिमण्डलं सुसरघंटं तिकखुत्तो उल्लालेमाणे २ महया २ सद्वेणं उग्घोसेमाणे २ एवं व०-आणवेति णं भो सूरियाभे देवे गच्छति णं भो सूरियाभे देवे जंबुद्वीवे दीवे भारहे वासे आमलकप्पाए णयरीए अंबसालवणे चेतिते समणं भगवं महावीरं अभिवंदए तुभ्भेऽवि णं भो देवाणुप्पिया ! सव्विडीए जाव णातियरवेणं णियगपरिवाल सद्विं संपरिवुडा सातिं सातिं जाणविमाणाइं दुरुद्वा समाणा अकालपरिहीणं चेव सूरियाभस्स देवस्स अंतियं पाउब्भवह ।११। तए णं से पायत्ताणियाहिवती देवे सूरियाभेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे हृष्टुद्वजावहियए एवं देवा ! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेति ता जेणेव सूरियाभे विमाणे सभा सुहम्मा जेणेव मेघोघरसियगंभीरमहुरसद्वं जोयणपरिमण्डला सुस्सरा घंटा तेणेव उवागच्छंति ता तं मेघोघरसितगंभीरमहुरसद्वं जोयणपरिमण्डलं सुसर घंटं तिकखुत्तो उल्लालेति, तए णं तीसे मेघोघरसितगंभीरमहुरसद्वाते जोयणपरिमण्डलाते सुसराते घंटाए तिकखुत्तो उल्लालियाए समाणीए से सूरियाभे विमाणे पासायविमाणणिकखुडाडियसद्वघंटापडिंसुयासयसहस्ससंकुले जाए यावि होत्था, तए णं तेसिं सूरियाभविमाणवासिणं बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य एगंतरइपसत्तनिच्चप्पमत्तविसयसुंहमुच्छियाणं सुसरघंटारवविउलबोलपडिबोहणे कए समाणे घोसणकोउहलदिन्नकन्नएगग्गचित्तउवउत्तमाण साणं से पायत्ताणीयाहिवई देवे तंसि घंटारवंसि णिसंतपसंतंसि महया २ सद्वेणं उग्घोसेमाणे २ एवं वदासी हंत सुणंतु भवंतो सूरियाभविमाणवासिणो बहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य ! सूरियाभविमाणवझणो वयणं हियसुहत्थं आणावणियं (प्र० आणवेइ णं) भो ! सूरियाभे देवे गच्छइ णं भो सूरियाभे देवे जंबुद्वीवं दीवं भारहं वासं आमलकप्पं नयरिं अंबसालवणं चेइयं समणं भगवं महावीरं अभिवंदए तं तुभ्भेऽवि णं देवाणुप्पिया ! सव्विडीए० अकालपरिहीणा चेव सूरियाभस्स देवस्स अंतियं पाउब्भवह ।१२। तए णं ते सूरियाभविमाणवासिणो बहवे वेमाणिया देवा देवीओ य पायत्ताणियाहिवइस्स देवस्स अंतिए एयमद्वं सोच्चा णिसम्म हृष्टुद्वजावहिया अप्पेगइया वंदणवत्तियाए अप्पेगइया पूयणवत्तियाए अप्पेगइया सक्कारवत्तियाए एवं संमाणवत्तियाए अप्प० असुयाइं सुणिस्सामो सुयाइं अद्वाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं वागरणाइं पुच्छिस्सामो अप्प० सूरियाभस्स देवस्स वयणमणुयत्तमाणा अप्प० अन्नमन्नमणुयत्तमाणा अप्प० जिणभत्तिरागेणं अप्प० धम्मोत्ति अप्प० जीयमेयंतिकट्टु सव्विडीए जाव अकालपरिहीणा चेव सूरियाभस्स देवस्स अंतियं पाउब्भवंति ।१३। तए णं से सूरियाभे देवे ते सूरियाभविमाणसिणो बहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य अकालपरिहीणं चेव अंतियं पाउब्भवमाणे पासति ता हृष्टुद्वजावहियए आभिओगियं देवं सद्वावेति ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अणेगखं भसयसंनिविडुं लीलट्टियसालभंजियागं ईहामियउसभतुरगनरमगरविहगवालगकिंन-रखसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्तं खंभुग्गयवरवइयापरिग्याभिरामं विजाहरजमलजुयलजंतजुत्तंपिव अच्चीसहस्समालियं रुवगसहस्सकलियं भिसमाणं भिब्भिसमाणं चकखुल्लोयणलेसं सुहफासं सस्सिरीयरुवं घंटावलिचलियमहुरमणहरसरं सुहं कंतं दरिसणिजं णिउणाचियमिसिमिसिंतमणिरयणघंटियाजालपरिक्खितं जोयणसयसहस्सविच्छिणं दिव्वं गमणसजं सिग्धगमणं णामं दिव्वं जाणविमाणं विउवाहि ता खिप्पामेव एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि ।१४। तए णं से आभिओगिए देवे सूरियाभेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे हृष्टजावहियए करयलपरिग्गहियं जाव पडिसुणेइ ता उत्तरपुरच्छिमं

ଦିସୀଭାଗଂ ଅବକ୍ଳମତି ତା ବେଉବ୍ଵିଯସମୁଗ୍ଧାଏଣ ସମୋହଣନ୍ତି ତା ସଂଖେଜ୍ଞାଇଁ ଜୋୟଣାଇଁ ଜାବ ଅହାବାୟରେ ପୋଙ୍ଗଲେୟ ତା ଅହାସୁହୁମେ ପୋଙ୍ଗଲେ ପରିୟାୟେ ତ ଦୋଚଂପି ବେଉବ୍ଵିଯସମୁଗ୍ଧାଏଣ ସମୋହଣିତା ଅଣେଗଖାଂଭସ୍ୟସନ୍ନିବିଦୁ ଜାବ ଦିବଂ ଜାଣବିମାଣ ବିଉବ୍ବିତ ପକ୍ଷତେ ଯାବି ହୋତ୍ଥା, ତଏ ଣଂ ସେ ଆଭିଓଗିଏ ଦେବେ ତସ୍ସ ଦିବ୍ବସ୍ସ ଜାଣବିମାଣସ୍ସ ତିଦିସି ତାଓ ତିସୋବାଣପଡିରୁବେ ବିଉବ୍ବତି, ତଂ୦-ପୁରଚ୍ଛିମେଣ ଦାହିଣେଣ ଉତ୍ତରେଣ, ତେସି ତିସୋବାଣପଡିରୁବଗାଣ ଇମେ ଏୟାରୁବେ ବଣ୍ଣାଵାସେ ପଂ୦ ତଂ୦-ବଇରାମଯା ଣିମ୍ମା ରିଦ୍ବାମଯା ପତିଦ୍ଵାଣା ବେରୁଲିଯାମଯା ଖଂଭା ସୁଵଣ୍ଣରୁପମଯା ଫଳଗା ଲୋହିତକଖମଇୟାଓସୁ ସୂର୍ଝାଓସୁ ବ୍ୟରାମଯା ସଂଧୀ ଣାଣାମଣିମଯା ଅବଲଂବଣ ଅବଲଂବଣବାହାଓସୁ ଯ ପାସାଦୀଯା ଜାବ ପଡ଼ିରୁବା, ତେସି ଣଂ ତିସୋବାଣପଡିରୁବଗାଣ ପୁରାୟ ତୋରଣା ଣାଣାମଣିମାସୁ ଥିଭେଦୁ ଉବନିବିଦୁସଣ୍ଣିବିଦୁଵିବିହମୁତ୍ତରେବଚିଯା ବିବିହତାରାରୁବୋବଚିଯା ଜାବ ପଡ଼ିରୁବା, ତେସି ଣଂ ତୋରଣାଣ ଉପି ଅଦୃଦୁମଂଗଲଗା ପଂ୦ ତଂ୦-ସୋତ୍ଥିୟସିରିବଚ୍ଛଣ୍ଣଦିୟାବତ୍ତବଦ୍ଵମାଣଗଭଦ୍ଵାସଣକଲସମଚ୍ଛଦପ୍ପଣା (ପ୍ର୦ ଜାବ ପଡ଼ିରୁବା) ତେସି ଚ ଣଂ ତୋରଣାଣ ଉପି ବହୁବେ କିଣହଚାମରଜନ୍ମାଏ ଜାବ ସୁକ୍ରିଳଚାମରଜନ୍ମାଏ ଅଚ୍ଛେ ସନ୍ଧେ ରୂପପଦ୍ଵେ ବଇରାମଯଦଂଡେ ଜଲ୍ୟାମଲଗାନ୍ଧିଏ ସୁରମ୍ମେ ପାସାଦୀଏ ଦରିସଣିଜେ ଅଭିରୁବେ ପଡ଼ିରୁବେ ବିଉବ୍ବତି, ତେସି ଣଂ ତୋରଣାଣ ଉପି ବହୁବେ ଛତ୍ତାତିଚ୍ଛତ୍ତେ ଘନ୍ଟାଜୁଗଲେ ପଢାଗାଇପଢାଗେ ଉପଲହତ୍ୟେ କୁମୁଦଣଲିଣସୁଭଗ ସୋଗଂଧିଯପୋଂଡ଼ରୀୟମହାପୋଂଡ଼ରୀୟସତପତ୍ତସହସ୍ରପତ୍ତହତ୍ୟେ ସବ୍ଵର୍ଯ୍ୟାଣମାସେ ଅଚ୍ଛେ ଜାବ ପଡ଼ିରୁବେ ବିଉବ୍ବତି, ତଏ ଣଂ ସେ ଆଭିଓଗିଏ ଦେବେ ତସ୍ସ ଦିବ୍ବସ୍ସ ଜାଣବିମାଣସ୍ସ ଅନ୍ତେ ବହୁସମରମଣିଜେ ଭୂମିଭାଗଂ ବିଉବ୍ବତି, ସେ ଜହାଣାମେ ଆଲିଙ୍ଗପୁକଖରେତି ବା ମୁହିଂଗପୁକଖରେଇ ବା ସରତଲେଇ ବା କରତଲେଇ ବା ଚଂଦମଂଡଲେଇ ବା ସୂରମଂଡଲେଇ ବା ଆୟାସମଂଡଲେଇ ବା ଉରବ୍ବଚମ୍ମେଇ ବା (ପ୍ର୦ ଵସହଚମ୍ମେଇ ବା) କରାହଚମ୍ମେଇ ବା ସୀହଚମ୍ମେଇ ବା କରାହଚମ୍ମେଇ ବା ମିଗଚମ୍ମେଇ ବା ଛଗଲଚମ୍ମେଇ ବା ଦୀଵିଯଚମ୍ମେଇ ବା ଅଣେଗସଂକୁଳିକସହସ୍ରବିତେ ଆଵଡପଚ୍ଚାବଦସେ ଢିପସେଢିସୋତ୍ଥିୟ (ସୋବତ୍ଥି) ପୂର୍ବମାଣଗ (ବଦ୍ଵମାଣଗ) ମଚ୍ଛଂଙ୍ଗମଗରଙ୍ଗଜାରାମାରାଫୁଲାବଲିପତମ-ପତ୍ତସାଗରତରଂଗବସଂତଲ୍ୟପତମଲଯଭତ୍ତିଚିତ୍ତେହିଂ ସଚ୍ଛାଏହି ସପ୍ପଭେହିଂ ସମରୀଇଏହି ସଉଜ୍ଜୋଏହି ଣାଣାବିହପଂଚବଣ୍ଣେହିଂ ମଣୀହିଂ ଉବସୋଭିଏ ତଂ୦-କିଣହେହି ଣୀଲେହିଂ ଲୋହିଏହି ହାଲିଦେହିଂ ସୁକ୍ରିଲ୍ଲେହିଂ, ତଥ ଣଂ ଜେ ତେ କିଣହା ମଣୀ ତେସି ଣଂ ମଣୀଣ ମଣୀଣ ଇମେ ଏତାରୁବେ ବଣ୍ଣାଵାସେ ପଂ୦, ସେ ଜହାନାମେ ଅନ୍ତେ ବହୁସମରମଣିଜେ ଭୂମିଭାଗଂ ବିଉବ୍ବତି, ସେ ଜହାନାମେ ଆଲିଙ୍ଗପୁକଖରେତି ବା ମୁହିଂଗପୁକଖରେଇ ବା ପରହୁତେଇ ବା ଗେଇ ବା ଗ୍ୟକଳଭେଇ ବା କିଣହସପ୍ପେଇ ବା କିଣହକେସରେଇ ବା ଆଗାସଥିଗଲେଇ ବା କିଣହାସେଇ ବା କିଣହବଂଧୁଜୀବେଇ ବା, ଭବେ ଏୟାରୁବେ ସିଯା ?, ଣୋ ଇଣଦ୍ଵେ ସମଦ୍ଵେ (ପ୍ର୦ ଓେବମ୍ମ ସମଣାଉସୋ !) ତେ ଣଂ କିଣହା ମଣୀ ଇତ୍ତୋ ଇହୁତରାଏ ଚେବ କଂତରାଏ ଚେବ ପିଅତରାଏ ଚେବ ମଣାମତରାଏ ଚେବ ମଣୁଣ୍ଣତରାଏ ଚେବ ଵଣ୍ଣେଣ ପଂ୦, ତଥ ଣଂ ଜେ ତେ ନୀଲା ମଣୀ ତେସି ଣଂ ମଣୀଣ ଇମେ ଏୟାରୁବେ ବଣ୍ଣାଵାସେ ପଂ୦, ସେ ଜହାନାମେ ଭିଙ୍ଗେଇ ବା ଭିଙ୍ଗପତେଇ ବା ସୁଏଇ ବା ସୁଯପିଚ୍ଛେଇ ବା ଚାସେଇ ବା ଚାସପିଚ୍ଛେଇ ବା ଣୀଲୀଇ ବା ଣୀଲୀଭେଦେଇ ବା ଣୀଲୀଗୁଲିଯାଇ ବା ସାମାଇ ବା ଉଚ୍ଚନ୍ତେଇ ବା ଵଣରାତୀଇ ବା ହଳଘରକସଣେ ବା ମୋରାଗୀବାଇ ବା ଅୟସିକୁସୁମେଇ ବା ବାଣକୁସୁମେଇ ବା ଅଂଜଣକେସିଯାକୁସୁମେଇ ବା ନୀଲୁପ୍ପଲେଇ ବା ଣୀଲବଂଧୁଜୀବେଇ ବା ଣୀଲକଣାବୀରେଇ ବା, ଭବେୟାରୁବେ ସିଯା ?, ଣୋ ଇଣଦ୍ଵେ ସମଦ୍ଵେ, ତେ ଣଂ ଣୀଲା ମଣୀ ଏତୋ ଇହୁତରାଏ ଚେବ ଜାବ ଵଣ୍ଣେଣ ପଂ୦, ତଥ ଣଂ ଜେ ତେ ଲୋହିଯା ମଣୀ ତେସି ଣଂ ମଣୀଣ ଇମେୟାରୁବେ ବଣ୍ଣାଵାସେ ପଂ୦, ସେ ଜହାନାମେ ଉରବ୍ବରୁହିରେଇ ବା ସସରୁହିରେଇ ବା ନରରୁହିରେଇ ବା କରାହରୁହିରେଇ ବା ମହିସରୁହିରେଇ ବା ବାଲିଙ୍ଗୋବେଇ ବା ବାଲଦିଵାକରେଇ ବା ସଂଘଭରାଗେଇ ବା ଗୁଂଜଦଧରାଗେଇ ବା ଜାସୁଅଣକୁସୁମେଇ ବା କିଂସୁଯକୁସୁମେଇ ବା ପାଲିଯାଯକୁସୁମେଇ ବା ଜାଇହିନ୍ଦୁଲେଇ ତା ସିଲପ୍ପବାଲେତି ବା ପଵାଲଅନ୍କୁରେଇ ବା ଲୋହିଯକଖମଣୀଇ ବା ଲକ୍ଖବାରସଗେତି ବା କିମିରାଗକଂବଲେତି ବା ଚୀଣପିଦୁରାସୀତି ବା ରତ୍ନପଲେଇ ବା ରତ୍ନାସୋଗେତି ବା ରତ୍ନକଣବୀରେତି ବା ରତ୍ନବଂଧୁଜୀବେତି ବା, ଭବେ ଏୟାରୁବେ ସିଯା ?, ଣୋ ଇଣଦ୍ଵେ ସମଦ୍ଵେ, ତେ ଣଂ ଲୋହିଯା ମଣୀ ଇତ୍ତୋ ଇହୁତରାଏ ଚେବ ଜାବ ଵଣ୍ଣେଣ ପଂ୦, ତଥ ଣଂ ଜେ ତେ ହାଲିଦା ମଣୀ ତେସି ଣଂ ରଠ ମଣୀଣ ଇମେୟାରୁବେ ବଣ୍ଣାଵାସେ ପଂ୦, ସେ ଜହାନାମେ ଚଂପଗୁଲ୍ଲିତି ବା ଚଂପଗଭେଇ ବା ହଲିଦାଇ ବା ହଲିଦାଭେଦେତି ବା ହଲିଦାଗୁଲିଯାତି ବା ହରିୟାଲିଯାତି ବା ହରିୟାଲଗୁଲିଯାତି ବା ଚିତ୍ତରେଇ ବା ଚିତ୍ତରାତେତି ବା ଵରକଣଗେଇ ବା ଵରକଣନିଧେତି ବା ଶ୍ରୀ ଆଗମଗୁଣମନ୍ତ୍ରୀ

एत्ता इट्टतराए चेव जाव वण्णेणं पं०, तथ्य एं जे ते सुक्रिल्ला मणी तेसिं एं मणीणं इमेयाख्वे वण्णावासे पं०, से जहानामए अंकेति वा संखेति वा चंदेति वा कुंदेति वा दंतेइ वा (प्र० कुमुदोदकदयरयदहिघणगोक्खीरपूर) हंसावलीइ वा कोंचावलीति वा हारावलीति वा चंदावलीति वा सारतियबलाहएति वा धंतधोयरूपपट्टेइ वा सालिपिट्टुरासीति वा कुंदपुप्फारासीति वा कुमुदरासीति वा कुक्कच्छिवाडीति वा पिहुणमिंतियाति वा भिसेति वा मुणालियाति वा गयदंतेति वा लवंगदलएति वा पोंडरीयदलएति वा सेयासोगेति वा सेयकणवीरेति वा सेयबन्धुजीवेति वा, भवे एयाख्वे सिया ?, णो इणट्टे समट्टे, ते एं सुक्रिल्ला मणी एत्तो इट्टतराए चेव जाव वन्नेणं पं०, तेसिं एं मणीणं इमेयाख्वे गंधे पं०, से जहानामए कोट्टपुडाण वा तगरपुडाण वा एलापुडाण वा चोयपुडाण वा चंपापुडाण वा दमणापुडाण वा कुंकुमपुडाण वा चंदणपुडाण वा उसीरपुडाण वा मरूआपुडाण वा जातिपुडाण वा जूहियापुडाण वा मल्लियापुडाण वा एहाणमल्लियापुडाण वा केतगिपुडाण वा पाडलिपुडाण वा णोमालियापुडाण वा अगुरूपुडाण वा लवंगपुडाण वा कप्पूरपुडाण वा वासपुडाण वा अणुवायंसि वा ओभिज्जमाणाण वा कोट्टिज्जमाणाण वा भंजिज्जमाणाण वा उक्किरिज्जमाणाण वा विक्किरिज्जमाणाण वा परिभुज्जमाणाण वा भंडाओ वा भंडं साहरिज्जमाणाण वा ओराला मणुण्णा मणहरा घाणमणनिवृतिकरा सव्वता समंता गंधा अभिनिस्सवंति, भवे एयाख्वे सिया ?, णो इणट्टे समट्टे, ते एं मणी एत्तो इट्टतराए चेव गंधेणं पं०, तेसिं एं मणीणं इमेयाख्वे फासे पण्णते, से जहानामए आइणेति वा रूएति वा बूरेइ वा णवणीएइ वा हंसगब्भतूलियाइ वा सिरीसकुसुमनिच्येइ बालकुसुमपत्तरासीति वा, भवे एयाख्वे सिया ?, णो इणट्टे समट्टे, ते एं मणी एत्तो इट्टतराए चेव जाव फासेणं पं०, तए एं से आभियोगिए देवे तस्स दिव्वस्स जाणविमाणस्स बहुमज्जदेसभागे एत्थ एं महं पिच्छाघरमंडवं विउव्वइ अणेगखंभसयसंनिविट्ट अब्भुग्गयसुक्यवरवेइयातोरणवररइयसालभंजियागं सुसिलिट्टविसिट्टलट्टसंठियपसत्थवेरूलियविमलखंभं णाणामणिखच्चियउज्जलबहुसमसुविभत्तदेसभायं ईहामियउसभतुरगनरमगरविहगवालगकिन्नररूसरभचमर कुंजर वणलयपउमल यभत्तिचित्तं (प्र० खंभुग्गयवइर वेइयपरिगया भिरामं विजाहरजमल जुगलजन्तजुतंपिव अच्चीसहस्स मालिणीयं रूवगसहस्स कलितं भिसमाणं भिब्भि समाणं चक्खुल्लोयणलेसं सुहफासं सस्सिरीयरूवं) कंचणमणिरयणथूभियागं णाणाविहपंचवण्ण घंटापडागपरिमंडि यग्गसिहरं चवलं मरीतिकवयं विणिम्मुयंतं लाउल्लोइयमहियं गोसीस (सरस) रत्तचंदणदहरदिन्नपं चंगुलितलं उवचियचंदणकलसं चंदणघडसुक्यतोरणपडिदुवारदेसभागं आसत्तोसत्तविउलवहुवग्धारियमल्लदामकलावं पंचवण्णसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं कालागुरूपवरकुंदुरूक्कधूवमधमधंतंधुदधुयाभिरामं सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूतं दिव्वं तुडियसद्वसंपणाइयं अच्छरगणसंघविप्पकिणं पासाइयं दरिसणिजं जाव पडिरूवं, तस्स एं पिच्छाघरमंडवस्स बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स विउव्वति जाव मणीणं फासो, तस्स एं पेच्छाघरमंडवस्स उल्लोयं विउव्वति पउमलयभत्तिचित्तं जाव पडिरूवं, तस्स एं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्जदेसभाए एत्थ एं महं वइरामयं अक्खाडगं विउव्वति. तस्स एं अक्खाडयस्स बहुमज्जदेसभागे एत्थ एं महेगं मणिपेढियं विउव्वति अट्ट जोयणाइ आयामविक्खंभेणं चत्तारि जोयणाइ बाहल्लेणं सव्वमणिमयं अच्छं सणहं जाव पडिरूवं, तीसे एं मणिणिपेडियाए उवरि एत्थ एं महेगं सिंहासणं विउव्वइ, तस्स एं सीहासणस्स इमेयाख्वे वण्णावासे पं०-तवरिज्जमया चक्कला रययामया सीहा सोवणिया पाया णाणामणि मयाइ पायसीसगाइ जंबूनयमयाइ गत्ताइ वइरामया संधी णाणामणिमयं वेच्चं, से एं सीहासणे इहामिय उसभतुरगनरमगर विहगवालगकिन्नररूसरभचमरक चंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्ते सारसारोवचियमणिरयणपायवीढे अच्छरगमिउमसूरगणवत्यकुसंतलिम्बकेसरपच्चत्थुयाभिरामे सुविरइयरयत्ताणे उवचियखोमदुगुल्लपट्टिच्छायणे रत्तंसुअसंवुए सुरम्मे आइणगरूयबूरणवणीयतूलफासे मउउए पासाईए०, तस्स एं सिंहासणस्स उवरि एत्थ एं महेगं विजयदूसं विउव्वंति संखंकुंदगरयअमयमहियफेणपुंजसंनिगासं सव्वरयणामयं अच्छं सणहं पासादीयं दरिसणिजं अभिरूवं पडिरूवं, तस्स एं सीहासणस्स उवरि विजयदूसस्स य बहुमज्जदेसभागे एत्थ एं वयरामयं अंकुसं विउव्वंति, तस्सिं च एं वयरामयंसि अंकुसंसि कुंभिकं मुत्तादामं विउव्वंति, से एं कुंभिके मुत्तादामे अन्नेहिं चउहिं

अद्वकुं भिके हिं मुत्तादामेहिं तदद्वुच्चत्तपमाणेहिं सब्बओ समंता संपरिकिखते, ते एं दामा तवणिज्जलं बूसगा सुवण्णपयरगमं डियगा णाणामणिरयणविविहारद्वहारउवसोभियसमुदाया ईसिं अण्णमण्णमसंपत्ता वाएहिं पुव्वावरदाहिणुत्तरागएहिं मंदायं २ एइज्जमाणा २ पलंबमाणा २ पेजंज (पञ्जङ्घ) माणा २ उरालेणं मणुन्नेणं मणहरेणं कण्णमणणिव्वतिकरेणं सद्वेणं ते पएसे सब्बओ समंता आपूरेमाणा सिरीए अतीव २ उवसोभेमाण चिद्वंति, तए एं से आभिओगिए देवे तस्स सिंहासणस्स अवरूत्तरेणं उत्तरेणं उत्तरपुरच्छिमेणं एथं एं सूरियाभस्स देवस्स चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चत्तारि भद्वासणसाहस्सीओ विउव्वइ, तस्स एं सीहासणस्स दाहिणपुरच्छिमेणं एथं एं सूरियाभस्स देवस्स अभिमंतरपरिसाए अट्टुण्हं देवसाहस्सीणं अट्टु भद्वासणसाहस्सीओ विउव्वइ, एवं दाहिणेणं मज्जिमपरिसाए दसण्हं देवसाहस्सीणं दस भद्वासणसाहस्सीओ विउव्वति, दाहिणपच्चत्थिमेणं बाहिरपरिसाए बारसण्हं देवसाहस्सीणं बारस भद्वासणसाहस्सीओ विउव्वति, पच्चत्थिमेणं सत्तण्हं अणियाहिवतीणं सत्त भद्वासणे विउव्वति, तस्स एं सीहासणस्स चउदिंसि एथं एं सूरियाभस्स देवस्स सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं सोलस भद्वासणसाहस्सीओ विउव्वति, तं०-पुरच्छिमेणठ चत्तारि साहस्सीओ दाहिणेणं चत्तारि साहस्सीओ पच्चत्थिमेणं चत्तारि साहस्सीओ उत्तरेणं चत्तारि साहस्सीओ, तस्स दिव्वस्स जाणविमाणस्स इमेयारूवे वण्णावासे पं० से जहानामए अइरुग्गयस्स वा हेमंतियबालसूरियस्स वा ख्यरिंगालाण वा रत्तिं पज्जलियाण वा जावाकुसुमवणस्स वा किंसुयवणस्स वा पारियायवणस्स वा सब्बतो समंता संकुसुमियस्स, भवे एयारूवे सिया ?, णो इण्डु सम्डु, तस्स एं दिव्वस्स जाणविमाणस्स एत्तो इट्टुतराए चेव जाव वण्णेण पं०, गंधो य कासो य जहा मणीणं, तए एं से आभिओगिए देवे दिव्वं जाणविमाणं विउव्वइ ता जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छइ ता सूरियाभं देवं करयलपरिग्गहियं जाव पच्चप्पिणंति ।१५। तए एं से सूरियाभे देवे आभिओगस्स देवस्स अंतिए एयमडुं सोच्चा निसम्म हट्टुजावहियए दिव्वं जिणिंदाभिगमणजोग्गं उत्तरवेउव्वियरूवं विउव्वति ता चउहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं दोहिं अणीएहिं, तं०- गंधव्वाणीएण य णट्टाणीएण य सद्विं संपरिवुडे तं दिव्वं जाणविमाणं अणुपयाहिणीकरेमाणे २ पुरच्छिमिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवएणं दुरुहती ता जेणेव सिंहासणे तेणेव उवागच्छइ ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे, तए एं तस्स सुरियाभस्स देवस्स चत्तारि सामाणियसाहस्सीओ तं दिव्वं जाणविमाणं अणुपयाहिणीकरेमाणा उत्तरिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवएणं दुरुहंति ता पत्तेयं २ पुव्वण्णत्थेहिं भद्वासणेहिं णिसीयंति अवसेसा देवा य देवीओ य तं दिव्वं जाण विमाणं जाव दाहिणिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवएणं दुरुहंति ता पत्तेयं २ पुव्वण्णत्थेहिं भद्वासणेहिं निसीयंति, तए एं तस्स सूरियाभस्स देवस्स तं दिव्वं जाणविमाणं दुरुढस्स समाणस्स अट्टुदुमंगलगा पुरतो अहाणुपुव्वीए संपत्थिता तं०- सोत्थियसिरिवच्छजावदप्पणा, तयाणंतरं च एं पुण्णकलसभिंगार० दिव्वा य छत्तपडागा सचामरा दंसणरतिया आलोयदरिसणिज्ञा वाउद्युयविजयवेजती ऊसीया गगणतलमणुलिहंती पुरतो अणुपुव्वीए संपत्थिया, तयाणंतरं च एं वेरुलियभिसंतविमलदंडं पलंबकोरंटमल्लदामोवसोभितं चंदमंडलनिभं समुस्सियं विमलमायवत्तं पवरसीहासणं च मणिरयणभत्तिचित्तं सपायपीढं सपाउयाजोयसमाउत्तं बहुकिंकरामरपरिग्गहियं पुरतो अहाणुपुव्वीए संपत्थियं, तयाणंतरं च एं वझरामयवट्टलदुसंठियसुसिलिदुपरिघट्टमडुसुपतिठिए विसिडु अणेगवरपंचवण्णकुडभीसहस्सुस्सिए (प्र० स्सपरिमंडियाभिरामे) वाउद्युयविजयवेजयंतीपडागच्छतातिच्छत्तकलिते तुंगे गगणतलमणुलिहंतसिहरे जोअणसहस्समूसिए महतिमहालए महिंदज्ज्ञाए पुरतो अहाणुपुव्वीए संपत्थिए, तयाणंतरं च एं सुरूवणेवत्थपरिकच्छिया सुसज्जा सव्वालंकारभूसिया महया भडचडगरपहगरेणं पंचअणीयाहिविणो पुरतो अहाणुपुव्वीए संपत्थिया (प्र० तयाणंतरं च एं बहवे आभिओगिया देवा देवीओ य सएहिं २ रूवेहिं सएहिं २ विसेसेहिं सएहिं २ विदेहिं (प्र० विहवेहिं) सएहिं २ णिज्जोएहिं (प्र० णेज्जाएहिं) सएहिं २ णेवत्थेहिं पुरतो अहाणुपुव्वीए संपत्थिया,) तयाणंतरं च एं सूरियाभविमाणवासिणो बहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य सव्विडीए जाव रवेणं सूरियाभं देवं पुरतो पासतो य मग्गतो य समणुगच्छंति ।१६। तए एं से सुरियाभे देवे तेणं पंचाणीयपरिकिखत्तेणं वझरामयवट्टलदुसंठिएणं जाव जोयणसहस्समूसिएणं महतिमहालतेणं महिंदज्ज्ञाएणं

पुरतो कह्विजमाणेण चउहिं सामाणियसहस्रेहिं जाव सोलसहिं आयरकखदेवसाहस्रीहिं अन्नेहिं य बहूहिं सूरियाभविमाणवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहिं देवीहिं य सब्दिं संपरिवुडे सव्विडीए जाव रवेण सोधमस्स कप्पस्स मज्जांमज्जेण तं दिव्वं देविहिं दिव्वं देवजुतिं दिव्वं देवाणुभावं उवदंसेमाणे २ पडिजागरेमाणे जेणेव सोहम्मकप्पस्स उत्तरिल्ले णिजाणमग्गे तेणेव उवागच्छति ता जोयणसयसाहस्रितेहिं विग्गेहेहिं ओवयमाणे वीतीयमाणे ताए उक्किट्टाए जाव तिरियमसंखिजाणं दीवसमुद्दाणं मज्जांमज्जेण वीइवयमाणे जेणेव नंदीसरवरदीवे जेणेव दाहिणपुरच्छिमिल्ले रतिकरपव्वते तेणेव उवागच्छति ता तं दिव्वं देविहिं जाव दिव्वं देवाणुभावं पडिसाहरेमाणे २ पडिसंखेवेमाणे २ जेणेव जंबुहीवे दीवे जेणेव भारहे वासे जेणेव आमलकप्पा नयरी जेणेव अंबसालवणे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ ता समणं भगवं महावीरं तेणं दिव्वेण जाणविमाणेण तिकखुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ ता समणस्स भगवतो महावीरस्स उत्तरपुरच्छिमे दिसिभागे तं दिव्वं जाणविमाणं ईसि चउरंगुलमसंपत्तं धरणितलंसि ठवेइ ता चउहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं दोहिं अणीयाहिं तं०-गंधव्वाणीएण य नद्वाणीएण य सब्दि संपरिवुडे ताओ दिव्वाओ जाणविमाणाओ पुरच्छिमिल्लेण तिसोवाणपडिरुवएणं पच्चोरुहति, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स चत्तारि सामाणियसाहस्रीओ ताओ दिव्वाओ जाणविमाणाओ उत्तरिल्लेण तिसोवाणपडिरुवएणं पच्चोरुहति, अवसेसा देवा य देवीओ य ताओ दिव्वाओ जाणविमाणाओ दाहिणिल्लेण तिसोवाणपडिरुवएणं पच्चोरुहति, तए णं से सूरियाभे देवे चउहिय अग्गमहिसहिं जाव सोलसहिं आयरकखदेवसाहस्रीहिं अणेहिं य बहूहिं सूरियाभविमाणवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहिं देवीहिं य सब्दिं संपरिवुडे सव्विडीए जाव णाइयरवेण जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छति ता समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेति ता वंदति नमंसति ता एवं व०-अहं णं भंते ! सूरियाभे देवे देवाणुप्पियं वंदामि णमंसामि जाव पञ्जुवासामि ।१७। सूरियाभाति ! समणे भगवं महावीरे सूरियाभं देवं एवं व०-पोराणमेयं सुरियाभा ! जीयमेयं सूरियाभा ! किच्चमेयं सूरियाभा ! वरणिज्जमेयं सूरियाभा ! आइण्णमेयं सुरियाभा ! अब्भणुण्णायमेयं सूरियाभा ! जण्णं भवणवइवाणमंतरजोइसवेमाणिया देवा अरहंते भगवंते वंदति नमंसति ता तओ पच्छा साइं २ नामगोत्ताइं साहिंति, तं पोराणमेयं सूरियाभा ! जाव अब्भणुन्नायमेयं सूरियाभा ! ।१८। तए णं से सूरियाभे देवे समणेण भगवया महावीरेण एवं वुत्ते समाणे हट्टु जाव समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति ता णच्चासणे णातिदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पञ्जुवासति ।१९। तए णं समणे भगवं महावीरे सूरियाभस्स देवस्स तीसे य महतिमहालियाए परिसाए जाव परिसा जामेव दिसिय पाउब्बूया तामेव दिसिं पडिग्या ।२०। तए णं से सूरियाभे देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्टुतुट्टुजावहयहिणं उट्टाए, उट्टेति ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ ता एवं व०--अहन्नं भंते ! सूरियाभे देवे किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिते सम्मद्विट्टी मिच्छादिट्टी परित्तसंसारिते अणंतसंसारिए सुलभबोहिए दुल्लभबोहिए आराहते विराहते चरिमे अचरिमे ?, सूरिया-(१४४) भाइ ! समणे भगवं महावीरे सूरियाभं देवं एवं व०-सूरियाभा ! तुमं णं भवसिद्धिए णो अभवसिद्धिते जाव चरिमे णो अचरिमे ।२१। तए णं से सूरियाभे देवे समणेण भगवया महावीरेण एवं वुत्ते समाणे हट्टुतुट्ट० चित्तमाणंदिए परमसोमणस्से समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति ता एवं व०-तुब्बे णं भंते ! सब्वं जाणह सब्वं पासह (प्र० सब्वओ जाणह सब्वओ पासह) सब्वं कालं जाणह सब्वं कालं पासह सब्वे भावे जाणह सब्वे भावे पासह जाणंति णं देवाणुप्पिया मम पुव्विं वा पच्छा वा इमेयारुवं दिव्वं देविहिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभागं लब्धं पत्तय अभिसमण्णागयंति तं इच्छामि णं देवाणुप्पियाणं भत्तिपुव्वगं गोयमातियाणं समणाणं निग्नंथाणं दिव्वं देविहिं दिव्वं देवजुइं देवाणुभावं दिव्वं बत्तीसतिबब्धं नद्विहिं उवदंसित्तए ।२२। तए णं समणे भगवं महावीरे सूरियाभेण देवेण एवं वुत्ते समाणे सूरियाभस्स देवस्स एयमद्वं णो आढाति णो परियाणति तुसिणीए संचिट्टिति, तए णं से सूरियाभे देवे समणं भगवं महावीरं दोच्चंपि एवं व०-तुब्बे णं भंते ! सब्वं जाणह जाव उवदंसित्तएत्तिकट्टु समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ ता वंदति नमंसति ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्रमति ता वेउव्वियासमुग्धाएणं समोहणति ता संखिजाइं जोयणाइं दंडं निस्सरति ता अहाबायरेऽ अहासुंहुमेऽ दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्धाएणं जाव बहुसमरमणिज्ञं भूमिभागं विउव्वति से जहानामए आलिंगपुकखरेइ

वा जाव मणीणं फासो, तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्ञदेसभागे पिच्छाघरमंडवं विउव्वति अणेगखंभसयसंनिविडुं वण्णतो अंतो बहुसमरमणिजभूमिभागं विउव्वइ उल्लोयं अक्खाडगं च मणिपेढियं च विउव्वति तीसे णं मणिपेढियाए उवरि सीहासणं सपरिवारं जाव दामा चिद्वंति, तए णं से सूरियाभे देवे समणस्स भगवतो महावीरस्स आलोए पणामं करेति ता अणुजाणउ मे भगवंतिकट्टु सीहासणवरगए तित्थयराभिमुहे सणिसणे, तए णं से सूरियाभे देवे तप्पद्मयाए णाणामणिकणगरयणविमलमंहरिहनिउणोवचियमि-सिमिसिंतविरतियमहाभरणकडगतुडियवरभूसणुजलं पीवरं पलंबं दाहिणं भुयं पसारेति, तओ णं सरिसयाणं सरित्तयाणं सरिव्वयाणं सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयाणं एगाभरणवसणगहियनिजोआणं दुहतोसंवलियगणियत्थाणं आविद्वतिलयामेलाणं पिणद्वगेविजकंचुयाणं उप्पीलियचित्तपट्टपरियरसफे णकावत्तरइयसंगयपलंबवत्थंतचित्तचिल्लगनियंसणाणं एगावलिकंठरइयसोभंतवच्छपरिहथभूसणाणं अट्टसयं णट्टसज्जाणं देवकुमाराणं पिण्णच्छति, तयाणंतरं च णं णाणामणि जाव पीवरं पलंब वामं भुयं पसारेति, तओ णं सरिसयाणं सरित्तयाणं सरिव्वतीणं सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयाणं एगाभरणवसणगहियनिजोयाणं दुहतोसंवेलियगणियत्थीणं आविद्वतिलयामेलाणं पिणद्वगेवेजकंचुईणं णाणामणिरयणभूसणविराइयंगमंगीणं चंदाणणाणं चंदव्वसमनिलाडाणं चंदाहिण्यसोमदंसणाणं उकाइव उज्जोवेमाणीणं सिंगारागारचारूवेसाणं हसियभणियचिद्वियविलासललियसंलावनिउणजुत्तोवयारकुसलाणं गहियाउज्जाणं अट्टसयं नट्टसज्जाणं देवकुमारियाणं पिण्णच्छइ, तए णं से सूरियाभे देवे अट्टसयं संखाणं विउव्वति अट्टसयं संखवायाणं विउव्वइ अट्टसयं सिंगाणं विउव्वइ अट्टसयं सिंगवायाणं विउव्वइ अट्टसयं संखियाणं विउव्वइ अट्टसयं संखियवायाणं विउव्वइ अट्टसयं खरमुहीणं विउव्वइ अट्टसयं खरमुहिवाइयाणं विउव्वइ अट्टसयं पेयाण विउव्वति अट्टसयं पेयावायगाणं० अट्टसयं पीरपीरियाणं विउव्वइ एवमाइयाइं एगूणपणं आउज्जविहाणाइं विउव्वइ ता तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारियाओ य सद्वावेति, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीयो य सूरियाभेणं देवेण सद्वाविया समाणा हट्ट जाव जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छन्ति ता सूरियाभं देवं करयलपरिण्णहियं जाव वद्वावित्ता एवं व०- संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! जं अम्हेहिं कायव्वं, तए णं से सूरियाभे ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य एवं व०-गच्छह णं तुब्मे देवाणुप्पिया समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेह ता वंदह नमंसह ता गोयमाइयाणं समणाणं निग्गंथाणं तं दिव्वं देविह्नि दिव्वं देवजुतिं दिव्वं देवाणुभावं दिव्वं बत्तीसइबद्धं णट्टविहिं उवदंसेह ता खिप्पामेव एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीयो य सूरियाभेणं देवेणं एवं वुत्ता समाणा हट्टजाव करयल जाव पडिसुणंति ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छन्ति ता समणं भगवं महावीरं जाव नमंसित्ता जेणेव गोयमादिया समणा निग्गंथा तेणेव उवागच्छन्ति, तए णं ते बहवे देवकुमारा देवकुमारीयो य सममेव समोसरणं करेति ता सममेव पंतिओ बंधति ता सममेव पंतिओ नमंसंति ता सममेव पंतीओ अवणमंति ता सममेव उन्नमंति ता एवं सहितामेव ओनमंति एवं सहितामेव उन्नमंति ता थिमियामेव ओणमंति थिमियामेव उन्नमन्ति संगयामेव ओनमंति संगयामेव उन्नमंति ता सममेव पसरंति ता सममेव आउज्जविहाणाइं गेणहंति सम मेव पवाएंसु पगाइंसु पणच्चिंसु, किं ते ?, उरेण मंदं सिरेण तारं कंठेण वितारं तिविहं तिसमयरेयगरयइयं गुंजावक्कुहरोवगूढं रत्तं तिठाणकरणसुब्दं सकुहरगुंजतवंसंततीतलताललयगहसुसंपउत्तं महुरं समं सललियं मणोहरं मिउरिभियपयसंचारं सुरइ सुणइ वरचारूरूवं दिव्वं णट्टसज्जं गेयं पपगीया यावि होत्था, किं ते ?, उब्दमंताणं संखाणं सिंगाणं संखियाणं खरमुहीणं पेयाणं पिरिपिरियाणं आहंमंताणं पणवाणं पडहाणं अप्पालिज्जमाणाणं भंभाणं होरंभाणं (प्र० वीणाणं वियधी (पंची) णं) तालिज्जंताणं भेरीणं झल्लरीणं दुंदुहीणं आलवंताणं (प्र० मुरयाणं) मुइंगाणं नन्दीमुइंगाणं उत्तालिज्जंताणं आलिंगाण कुतुंबाणं गोमुहीणं मह्लाणं मुच्छिज्जंताणं वीणाणं विपंचीणं वल्लकीणं कुट्टिज्जंताणं महंतीणं कच्छभीणं चित्तवीणाणं सारिज्जंताणं वद्वीसाणं सुघोसाणं णंदिघोसाणं फुट्टिज्जंतीणं भामरीणं छब्मामरीणं परिवायणीणं छिपंताणं तूणाणं तुंबवीणाणं आमोडिज्जंताणं आमोताणं कुंभाणं नउलाणं अच्छिज्जंतीणं मुगुंदाणं हुडुक्कीणं विचिक्कीणं वाइज्जंताणं करडाणं डिंडिमाणं किणियाणं कडंबाणं दद्वरगाणं दद्वरिगाणं कुतुंबाणं कलसियाणं मङ्गडयाणं आवडिज्जंताणं

तलाणं तालाणं कंसतालाणं घट्टिजंताणं रिंगिरिसियाणं लत्तियाणं मगरियाणं सुंसुमारियाणं फुमिज्जंताणं वंसाणं वेलूणं वालीणं परिल्लीणं बद्धगाणं, तए णं से दिव्वे गीए दिव्वे नद्वे दिव्वे वाइए एवं अब्मुए सिंगारे उराले मणुन्ने मणहरे गीते मणहरे नद्वे मणहरे वातिए उप्पिंजलभूते कहकहगभूते दिव्वे देवरमणे पवत्ते यावि होत्था, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स सोत्थियसिरिवच्छणंदियावत्तवद्धमाणगभद्वासणकलसमच्छदप्पणमंगलभत्तिचित्तं णामं दिव्वं नद्विविधं उवदंसेति १।२३। तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य सममेव समोसरणं करेति त्ता तं चेव भाणियवं जाव दिव्वे देवरमणे पवत्ते यावि होत्था, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स आवडपच्चावडसेदिपसेदिसोत्थियसोवत्थिअपूसमाणगमच्छंडमगरंडजारामारा-फुल्लावलिपउमपत्तसागरतरंगयसंतलतापउमलयभत्तिचित्तं० उवदंसेति २, एवं च एकेक्रियाए णद्विविहीए समोसरणादीया एसा वत्तव्यया जाव दिव्वे देवरमणे पवत्ते यावि होत्था, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य समणस्स भगवतो महावीरस्स इहामियउसभतुरगनरमग-रविहगवालगिंनरूसरभचमर कुंजरवणलयपउमलयमभत्तिचित्तं० उवदंसेति ३, एगतोवक्कं दुहओवक्कं (एगतोखुहं दुहओखुहं) एगओचक्कवालं दुहओचक्कवालं चक्कद्वचक्कवालं उवदंसंति ४, चंदावलिपविभत्तिं च वलयावलिपविभत्तिं च हंसावलिपविभत्तिं च सूरावलिपविभत्तिं च एगावलिपविभत्तिं च तारावलिपविभत्तिं च मुत्तावलिपविभत्तिं च कणगावलिपविभत्तिं च रयणावलिपविभत्तिं च उवदंसति ५, चंदुग्गमणपविभत्तिं च सूरुग्गमणपविभत्तिं च उग्गमणुग्गमणपविभत्तिं च उवदंसेति ६, चंदाग्गमणपविभत्ति च सूराग्गमणपविभत्तिं च आग्गमणाग्गमणपविभत्तिं च उवदंसंति ७, चंदावरणपविभत्तिं च सूरावरणपविभत्तिं च आवरणाऽवरणपविभत्तिं च उवदंसंति ८, चंदत्थमणपविभत्तिं च सूरत्थमणपविभत्तिं च अत्थमणऽत्थमणपविभत्तिं च उवदंसंति ९, चंदमंडलपविभत्तिं च सूरमंडलपविभत्तिं च नागमंडलपविभत्तिं जक्खमंडलपविभत्तिं भूतमंडलपविभत्तिं च (प्र० रक्खस०महोरग० गंधव्व० पिसायमंडलपविभत्तिं च) उवदंसेति १०, उसभललियवक्कंतं सीहललियवक्कंतं ह्यविलंबि (लसि) यं गयविलंबि (लसि) यं मत्तह्यविलसियं मत्तग्यविलसियं दुयविलंबियं उवदंसति ११, (प्र० सगडुद्विपविभत्तिं च) सागरपविभत्तिं च नागरपविभत्तिं च सागरनागरपविभत्तिं च उवदंसंति १२, एंदापविभत्तिं च चंपापविभत्तिं च नन्दाचंपापविभत्तिं च १३, मच्छंडापविभत्तिं च मयरंडापविभत्तिं च जारापविभत्तिं च मारापविभत्तिं च मच्छंडामयरंडाजारामारापविभत्तिं च १४, कत्तिककारपविभत्तिं च खत्तिखकारपविभत्तिं च गत्तिगकारपविभत्तिं च घत्तिघकारपविभत्तिं च डत्तिडकारपविभत्तिं च ककारखकारगकारघकारघडकारपविभत्तिं च १५, एवं चवग्गोवि १६, टवग्गोवि १७, तवग्गोवि १८, पवग्गोवि १९, असोयपल्लवपविभत्तिं च अंबपल्लवपविभत्तिं च जंबूपल्लवपविभत्तिं च कोसंबपल्लवपविभत्तिं च पल्लवपल्लवपविभत्तिं च २०, पउमलयापविभत्तिं च जाव सामलयापविभत्तिं च लयालयापविभत्तिं च २१, दुयमाणं २२, विलंबियं० दुयविलंबियं० अंचियं० रिभियं० अंचिरिमियं० आरभडं० भसोलं० आरभडभसोलं० ३०, उप्पयानिवयपवत्तं संकुचियं पसारियं रयारइयभंतसंभंतं ३१, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य समामेव समोसरणं करेति जाव दिव्वे देवरमणे पवत्ते यावि होत्था, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स पुव्वभवचरियणिबद्वं च देवलोयचरियनिबद्वं च चवणचरियणिबद्वं च संहरणचरियनिबद्वं च जम्मणचरियनिबद्वं च अभिसेयचरियनिबद्वं च बालभावचरियनिबद्वं च जोव्वणचरियनिबद्वं च कामभोगचरियनिबद्वं च निक्खमणचरियनिबद्वं च तवचरणचरियनिबद्वं च णाणुप्पायचरियनिबद्वं च तित्थपवत्तणचरियनि० परिनिव्वाणचरियनिबद्वं च चरिमचरियनिबद्वं च ३२, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीयाओ य चउव्विह वाइत्तं वाएंति तं०-ततं विततं घणं झुसिरं, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य चउव्विहं गेयं गायंति तं०-उक्खित्तं पायत्तं मंदायं रोइयावसाणं च, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीयाओ य चउव्विहं अभिणयं अभिणयेंति तं०-दिव्वंतियं पाडंतियं सामन्तोवणिवाइयं अंतोमज्ञावसाणियं, तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीयाओ य गोयमादियाणं समणाणं निगंथाणं दिव्वं देविहुं दिव्वं देवजुत्तिं दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं बत्तीसइबद्वं नद्विविहं उवदंसित्ता समणं भगवं महावीरं



જાયરુવમર્ઝાઓ ઓહાડણીઓ વિરામર્ઝાઓ ઉવરિપુચ્છણીઓ સવસેયરયામયાચ્છાયણે અંકામયા કણગકુ ડતવળિજ્જથૂભિયાગા સેયા સંખદલવિમલનિમ્મલદધિઘણગોર્ખીરફેણરયયણિગરપ્પગાસા તિલગરયણદ્વચંદચિત્તા નાણામણિદામાલંકિયા અંતો બહિં ચ સણ્હા તવળિજ્જવાલુયાપત્થડા સુહફાસા સસ્સિરીયરુવા પાસાઈયા દરિસણિજ્જા અભિરુવા પડિરુવા ।૨૭। તેસિં ણ દારાણ ઉભાઓ પાસે દુહાઓ નિસીહિયાએ સોલસ ૨ ચંદણકલસપરિવાડીઓ પં૦, તે ણ ચંદણકલસા વરકમલપદ્ધાણા સુરભિવરવારિપડિપુણા ચંદણકયચ્ચ્વગા આવિદ્વંકંઠેગુણા પઉમુપ્પલપિહાણા સવ્વરયણામયા અચ્છા જાવ પડિરુવા મહયા ૨ ઇંદ્રકું ભસમાણા પં૦ સમણાઉસો !, તેસિં ણ દારાણ ઉભાઓ પાસે દુહાઓ ણિસીહિયાએ સોલસ ૨ ણાગદંતપરિવાડીઓ પં૦, તે ણ ણાગદંતા મુત્તજાલંતરુસિયદેમજાલગવકખજાલખિંખિણી (ઘંટા) જાલપરિકિખત્તા અભુગ્યા અભિણિસિદ્ધા તિરિયસુસંપગ્ગહિયા અહેપન્ગદ્વરુવા પન્ગદ્વસંઠાણસંઠિયા સવ્વવયરામયા અચ્છા જાવ પડિરુવા મહયા ૨ ગયદંતસમાણા પં૦ સમણાઉસો !, તેસુ ણ ણાગદંતએસુ બહ્વે કિણહસુત્તબદ્વબદ્વવગ્ધારિતમલ્લદામકલાવા ણીલ૦ લોહિત૦ હાલિદ્ધ૦ સુક્રિલલસુત્તબદ્વગ્ધારિતમલ્લદામકલાવા, તે ણ દામા તવળિજ્જલંબૂસગા સુવન્નપયરમંડિયગા જાવ કન્નમણણિવુંતિકરેણ સદેણ તે પદેસે સવ્વાઓ સમંતા આપૂરેમાણા સિરીએ અર્ઝિવ ઉવસોભેમાણા ચિદ્ધંતિ, તેસિં ણ ણાગદંતાણ ઉવરિં અન્નાઓ સોલસ ૨ નાગદંતપરિવાડીઓ પં૦, તે ણ ણાગદંતા તં ચેવ જાવ મહતા ૨ ગયદંતસમાણા પં૦ સમણાઉસો !, તેસુ ણ ણાગદંતએસુ બહ્વે રયયામયા સિક્રગા પં૦, તેસુ ણ રયયામએસુ સિક્રએસુ બહ્વે વેરુલિયામર્ઝાઓ ધૂવઘડીઓ પં૦, તાઓણ ધૂવઘડીઓ કાલાગુરૂપવરકુંદુરુક્તતુરુક્તધૂવમધમધંધુંધુંભિરામાઓ સુગંધવરગંધિયાતો ગંધવદ્વિભૂયાઓ ઓરાલેણ મણુણેણ મણહરેણ ઘાણમણણિવુંકરેણ ગંધેણ તે પદેસે સવ્વાઓ સમંતા જાવ ચિદ્ધંતિ, તેસિં ણ દારાણ ઉભાઓ પાસે દુહાઓ ણિસીહિયાએ સોલસ ૨ સાલભંજિયાપરિવાડીઓ પં૦, તાઓ ણ સાલભંજિયાઓ લીલદ્વિયાઓ સુયદ્વિયાઓ સુઅલંકિયાઓ ણાણાવિહરાગ વસણાઓ ણાણામલ્લપિણદ્વાઓ મુદ્વિગિજ્જસુમજ્જાઓ આમેલગજમલજુયલવદ્વિયઅભુન્નયપીણરઝયસંઠિયપીવરપાઓહરાઓ રત્તાવંગાઓ અસિયકેસાઓ મિઉવિસય પસત્થ લક્ખણસંવેલિલ યગસિરયાઓ ઈસિં અસોગવર પાયવસમુદ્વિયાઓ વામહન્થગ્નહિ યગસાલાઓ ઈસિં અદ્વચ્છિકડકખ ચિદ્ધિએણ લૂસમાણીઓવિવ ચક્કખુલ્લોયણલેસે અન્નમન્ન ખેજમાણીઓ (વિવ) પુઢવીપરિણામાઓ સાસયભાવમુવગયાઓ ચન્દાણણાઓ ચંદવિલાસિણીઓ ચંદદ્વસમણિડાલાઓ ચંદાહિયસોમદંસણાઓ ઉકા (વિવ ઉજોવેમાણાઓ) વિજ્ઞુધણમિરિયસૂરદિપ્પંતેયઅહિયરસન્નિકાસાઓ સિંગારાગારચારુવેસાઓ પાસા૦ દરસિ૦ (અભિ૦ પડિ૦) ચિદ્ધંતિ ।૨૮। તેસિં ણ દારાણ ઉભાઓ પાસે દુહાઓ ણિસીહિયાએ સોલસ ૨ જાલકડગપરિવાડીઓ પં૦, તે ણ જાલકડગા સવ્વરયણામયા અચ્છા જાવ પદિરુવા, તેસિં ણ દારાણ ઉભાઓ પાસે દુહાઓ નિસીહિયાએ સોલસ ૨ ઘંટાપરિવાડીઓ પં૦, તાસિં ણ ઘંટાણ ઇમેયારુવે વન્નાવાસે પં૦ તં૦-જંબૂણયામર્ઝાઓ ઘંટાઓ વયરામયાઓ લાલાઓ ણાણામણિમયા ઘંટાપાસા તવળિજ્જમઝયાઓ સંખલાઓ રયયામયાઓ રજૂતો, તાઓ ણ ઘંટાઓ ઓહસ્સરાઓ મેહસ્સરાઓ સીહસ્સરાઓ દુંદુહિસ્સરાઓ કુંચસ્સરાઓ ણંદિસ્સરાઓ ણંદિઘોસાઓ મંજુસ્સરાઓ મંજુઘોસાઓ સુસ્સરાઓ સુસ્સરણિગ્ધોસાઓ ઉરાલેણ મણુન્નેણ મણહરેણ કન્નમણનિવુંકરેણ સદેણ તે પદેસે સવ્વાઓ સમંતા આપૂરેમાણીઓ જાવ ચિદ્ધંતિ, તેસિં ણ દારાણ ઉભાઓ પાસે દુહાઓ ણિસીહિયાએ સોલસ વણમાલાપરિવાડીઓ પં૦, તાઓ ણ વણમાલાઓ ણાણામણિમયદુમલયકિસલયપલ્લવસમાઉલાઓ છલ્પયપરિભુજમાણા સોહંતસસ્સિરીયાઓ પાસાઈયાઓ૦, તેસિં ણ દારાણ ઉભાઓ પાસે દુહાઓ ણિસીહિયાએ સોલસ પગંઠગા પં૦, તે ણ પગંઠગા અદ્વાઇજાં જોયણસયાં આયામવિક્રખંભેણ પણવીસં જોયણસયં બાહલેણ સવ્વવયરામયા અચ્છા જાવ પડિરુવા, તેસિં ણ પગંઠગાણ ઉવરિં પત્તેયં પાસાયવડેંસગા પં૦, તે ણ પાસાયવડેંસગા અદ્વાઇજાં જોયણસયાં ઉદ્દંદુચ્ચત્તેણ પણવીસં જોયણસયં વિક્રખંભેણ અભુગ્યમૂસિઅપહસિયાઇવ વિવિહમણિરયણભત્તિચિત્તા વાઉદ્ધુયવિજયવેજયંતપડાગચ્છતાઇચ્છતકલિગા તુંગ ગગણતલમણુલિહંતસિહરા જાલંતરરયણંજરુમ્મિલિયવ્વ મણિકણગથૂભિયાગા વિયસિયસયવત્તપોંડરીયા તિલગરયરણદ્વચંદચિત્તા ણાણામણિદામાલંકિયા અંતો બહિં ચ સણ્હા તવળિજ્જવાલુયાપત્થડા સુહફાસા સસ્સિરીયરુવા પાસાદીયા દરિસણિજ્જા જાવ દામા ઉવરિં



પં૦, તેસિં એં ભોમાણ ભૂમિભાગા ઉલ્લોયા ય ભાણિયવા, તેસિં એં ભોમાણ ભૂમિભાગાણ ચ બહુમજ્જ્ઞદેસભાગે પત્તેયં ૨ સીહાસણવન્તતો સપરિવારો અવસેસેસું ભોમેસુ પત્તેયં ૨ ભદ્રાસણા પં૦, તેસિં એં દારાણ ઉત્તમાગારા (ઉવરિમાગારા પા૦) સોલસવિહેહિં રયણેહિં ઉવસોભિયા તં૦-રયણેહિ જાવ રિદ્દેહિં, તેસિં એં દારાણ ઉપ્પિં અદૃઢુમંગલગા સજ્જન્યા જાવ છત્તાતિચ્છત્તા એવામેવ સપુબ્વાવરેણ સૂરિયાભે વિમાણે ચત્તારિ દારસહસ્સા ભવંતીતિમકખાયં, સૂરિયાભસ્સ એં વિમાણસ્સ ચઉદ્દિસિં પંચ જોયણસયાંદું અબાહાએ ચત્તારિ વણસંડા પં૦ તં૦-પુરચ્છિમેણ અસોગવળે દાહિણેણ સત્તવન્તવળે પચ્છત્થિમેણ ચંપગવળે ઉત્તરેણ ચૂયગવળે, તે એં વણખંડા સાઇરેગાંદું અદ્વતેરસ જોયણસયસહસ્સાંદું આયામેણ પંચ જોયણસયાંદું વિકખંભેણ પત્તેયં ૨ પાગારપરિક્રિખતા કિણ્ણા કિણ્ણોભાસા વણખંડવન્તાઓ ।૩૦૧ તેસિં એં વણસંડાણ અંતો બહુસમરમણિજ્જા ભૂમિભાગા, સે જહાનામણ આલિંગપુક્ખરેતિ વા જાવ ણાણાવિહપંચવળ્ણેહિં મણીહિ ય તણેહિ ય ઉવસોભિયા, તેસિં એં ગંધો ફાસો ણોયવો જહુક્મ, તેસિં એં ભંતે ! તણાણ ય મણીણ ય પુબ્વાવરદાહિણુત્તરાગતેહિં વાતેહિં મંદાયં ૨ ઎ઝ્યાણ વેઝ્યાણ કંપિયાણ ચાલિયાણ ફંદિયાણ ઘણ્યાણ ખોભિયાણ ઉદીરિદાણ કેરિસએ સદે ભવતિ ?, ગોયમા ! સે જહાનામણ સીયાએ વા સંદમાણીએ વા રહસ્સ વા સચ્છતસ્સ સજ્જન્યસ્સ સઘંટસ્સ સપડાગસ્સ સતોરણવરસ્સ સનંદિઘોસસ્સ સખિંખિણહેમજાલપરિક્રિખતસ્સ હેમવયચિત્તતિપણિસકણગણિજુતદાર્ખાયસ્સ સંપિનદ્વચ્ક્રમંડલધુરાગસ્સ કાલાયસસુક્યણેમિંતકમ્મસ્સ આઇણવરતુરગસુંપાત્તસ્સ

કુસલણરચ્છેયસારહિસુંપણગહિયસ્સ

સરસયબતીસતોણપરિમંડિયસ્સ

સંકંકડાવયંસગસ્સ

સચાવસરપહરણવરણભરિયજુજ્જસજ્જસ રાયંગણંસિ વા રાયંતેઉરંસિ વા રમ્મંસિ વા મળિકુદ્વિમતલંસિ અભિક્રખણં અભિધદ્વિજમાણસ્સ વા નિયદ્વિજમાણસ્સ વા ઓરાલા મણોણા કણણમણનિવુઝકરા સદ્વા સબ્વાઓ સમંતા અભિણિસ્સવંતિ, ભવે એયાર્ખ્વે સિયા ?, ણો ઇણદ્વે સમદ્વે, સે જહાનામણ વેયાલિયવીણાએ ઉત્તરમંદામુચ્છ્યાએ અંકે સુપઇદ્વિયાએ કુસલનરનારીસુસંપરિગહિયાતે ચંદણકોણપરિયદ્વિયાએ પુબ્વરત્તાવરત્તકાલસમયંસિ મંદાયં મંદાયં વેઝ્યાએ પવેઝ્યાએ ચાલિયાએ ઘણ્યાએ ખોભિયાએ ઉદીરિયાએ ઓરાલા મણુણા મણહારા કણણમણનિવુઝકરા સદ્વા સબ્વાઓ સમંતા અભિનિસ્સવંતિ, ભવે એયાર્ખ્વે સિયા ?, ણો ઇણદ્વે સમદ્વે, સે જહાનામણ કિન્નરાણ વા કિંપુરિસાણ વા મહોરગાણ વા ગંધબ્વાણ વા ભદ્રસાલવણગયાણ વા નંદણવણગયાણ વા સોમણસવણગયાણ વા પંડગવણગયાણ વા હિમવંતમલયમંદરગિરિગુહાસમન્નાગયાણ વા એગાઓ સન્નિહિયાણ સમાગયાણ સન્નિસન્નાણ સમુવવિદ્વાણહં પમુઝ્યપક્કીલિયાણ ગીયરઙ્ગંધબ્વહસિયમણાણ ગજ્જં પજ્જં કથ્થં ગેયં પયબદ્ધ પાયબદ્ધ ઉક્રિખતાયપયત્તાયં મંદાય રોઝ્યાવસાણ સત્તસરસમન્નાગયં છદોસવિપ્પમુંકું એકારસાલંકારં અદૃગુણોવવેયં ગુંજંતવસકુછરોવગૂઢં રત્તં તિદ્વાણકરણસુદ્ધં સકુહરગુંજંતવંસતહતીતલતાલલયગહસુંપાત્તં મહુરં સમં સુલંલિયમણોહરં મદ્યરિભિયપયસંચારં સુણતિ વરચાર્ખર્ખર્વ દિવ્વં ણદ્વં સજ્જં ગેયં પગીયાણ, ભવે એયાર્ખ્વે સિયા ?. હંતા સિયા ।૩૧૧ તેસિં એં વણસંડાણ તત્થ ૨ તહિં ૨ દેસે ૨ બહુઓ ખુડાખુડિયાતો વાવીયાઓ પુક્ખરિણીઓ દીહિયાઓ ગુંજાલિયાઓ સરપંતિઆઓ સરસરપંતિઆઓ બિલપંતિયાઓ અચ્છાઓ સણ્ણાઓ રયામયકૂલાઓ સમતીરાતો વયરામયપાસાણાતો તવણિજતલાઓ સુવણસુભરયયવાલુયાઓ વેરૂલિયમણિફાલિયપડલપચ્ચોયડાઓ સુઓયારસુઉત્તારાઓ ણાણામળિસુબદ્વાઓ ચઉકોણાઓ અણપુબ્વસુજાતવપ્પગંભીરસીયલજલાઓ સંછૂપત્તભિસમુણાલાઓ બહુઉપ્પલકુમુય નલિણસુભગસોગંધિયપોંડરીયસયવત્તસહસ્પત્તકેસરફુલ્લોવચિયાઓ છાપ્પયપરિભુજમાણકમલાઓ અચ્છવિમલસલિલપુણાઓ અપેગઝયાઓ આસવોયગાઓ અપે૦ વાર્ખણોયગાઓ અપે૦ ખીરોયગાઓ અપે૦ ઘોદોયગાઓ અપે૦ ખારોયગાઓ અપે૦ ઉયગરસેણ પં૦ પાસાદીયાઓ દરિસણિજાઓ અભિરૂવાઓ પડિરૂવાઓ, તાસિં એં વાવીણ જાવ બિલપંતીણ પત્તેયં ૨ ચઉદ્દિસિં ચત્તારિ તિસોવાણપડિરૂવા પં૦, તેસિં એં તિસોવાણપડિરૂવગાણ વન્તાઓ તોરણાણ ઝયા છત્તાઇચ્છત્તા ય ણેયવા, તાસુ એં ખુડાખુડિયાસુ વાવીસુ જાવ બિલપંતિયાસુ તત્થ ૨ તહિં ૨ દેસે બહવે ઉપ્પાયપબ્વયા નિયઝપબ્વયા જગઝપબ્વયા દારૂપબ્વયા દગમંડવા દગણાલગા દગમંચગા ઉસડડા ખુડડખુડગા અંદોલગા પક્ખવંદોલગા સબ્વરયણામયા અચ્છા જાવ પડિરૂવા, તેસુ એં ઉપ્પાયપબ્વએસુ જાવ પક્ખવંદોલએસુ બહૂં હંસાસણાંદું કોંચાસણાંદું ગરૂલાસણાંદું ઉણણાસણાંદું પણણાસણાંદું દીહાસણાંદું પક્ખવાસણાંદું ભદ્રાસણાંદું ઉસભાસણાંદું

સીહાસણાઇં પઉમાસણાઇં દિસાસોવત્થિયાસણાઇં સવ્વરયણામયાઇં અચ્છાઇં જાવ પડિસ્ખ્વાઓં, તેસુ ણં વણસંડેસુ તત્થ ૨ તહિં ૨ દેસે ૨ બહ્વે આલિયઘરગા માલિયઘરગા કયલિઘરગા લયાઘરગા અચ્છણઘરગા પિચ્છણઘરગા મંડણઘરગા પસાહણઘરગા ગબ્ભઘરગા મોહણઘરગા સાલઘરગા જાલઘરગા ચિત્તઘરગા કુસુમઘરગા ગંધવ્વઘરગા આયંસઘરગા સવ્વરયણામયા અચ્છા જાવ પડિસ્ખ્વા, તેસુ ણં આલિયઘરગેસુ જાવ આયંસઘરગેસુ બહૂં હંસાસણાઇં જાવ દિસાસોવત્થિઆસણાઇં સવ્વરયણામયાઇં જાવ પડિસ્ખ્વાઓં, તેસુ ણં વણસંડેસુ તત્થ ૨ દેસે ૨ તહિં ૨ બહ્વે જાતિમંડવગા જૂહિયમંડવગા ણવમાલિયમંડવગા વાસંતિયમંડવગા સૂરમલ્લિયમંડવગા દહિવાસુયમંડવગા તંબોલિમંડવગા મુદ્દિયામંડવગા ણાગલયામંડવગા અતિમુત્તયલયામંડવગા આપ્ફોવગા<sup>૧૦</sup> માલુયામંડવગા અચ્છા સવ્વરયણામયા જાવ પડિસ્ખ્વા, તેસુ ણં જાલિમંડવએસુ જાવ માલુયામંડવએસુ બહ્વે પુઢવીસિલાપદૃગા હંસાસણસંઠિયા જાવ દિસાસોવત્થિયાસણસંઠિયા અણે ય બહ્વે મંસલઘુદ્વિસિદ્વસંઠાણસંઠિયા પુઢવીસિલાપદૃગા પંં સમણાઉઓ ! આઇણગર્લયબૂરણવણીયતૂલફાસા સવ્વરયણામયા અચ્છા જાવ પડિસ્ખ્વા, તત્થ ણં બહ્વે વેમાણિયા દેવા ય દેવીઓ ય આસયંતિ સયંતિ ચિદુંતિ નિસીયંતિ તુયદુંતિ હસંતિ રમંતિ લલંતિ કીલંતિ કિદુંતિ મોહેંતિ પુરા પોરાણાં સુચિણાણાં સુપઢિ (ર) ક્રંતાણાં સુભાણાં કડાણાં કમ્માણાં કલ્લાણાણાં ફલવિવાગં પચ્છણુભવમાણા વિહરંતિ |૩૨| તેસિં ણં વણસંડાણાં બહુમજ્જદેસભાએ પતેયં ૨ પાસાયવડેસગા પંં, તે ણં પાસાયવડેસગા પંચજોયણસયાઇં ઉડઢંઉચ્ચતેણં અઝાઇજ્જાઇં જોયણસયાઇં વિકખંભેણં અબ્ભુગ્યયમૂસિયપહસિયાઇવ તહેવ બહુસમરમળિજ્જભૂમિભાગો ઉલ્લોઓ સીહાસણાં સપરિવારાં, તત્થ ણં ચત્તારિ દેવા મહિદિદ્યા જાવ પલિઓવમટુતીયા પરિવસંતિ, તં૦-અસોએ સત્તપણે ચંપણ ચૂએ, સૂરિયાભસ્સ ણં દેવવિમાણસ્સ અંતો બહુસમરમળિજ્જે ભૂમિભાગે પંં તં૦-વણસંડવિહૂણે જાવ બહ્વે વેમાણિયા દેવા ય દેવીઓ ય આસયંતિ જાવ વિહરંતિ, તસ્સ ણં બહુસમરમળિજ્જસ્સ ભૂમિભાગસ્સ બહુમજ્જદેસે એથ ણં મહેગે ઉવગારિયાલયણે પંં એં જોયણસયસહસ્સં આયામવિકખંભેણં તિણિ જોયણસયસહસ્સાઇં સોલસ સહસ્સાઇં દોણિ ય સત્તાવીસં જોયણસએ તિન્નિ ય કોસે અદ્વાવીસં ચ ધણુસયં તેરસ ય અંગુલાઇં અબ્ધંગુલાં ચ કિંચિવિસેસૂણાં પરિક્ખેવેણં જોયણાં બાહ્લ્લેણાં સવ્વંબૂણયામએ અચ્છે જાવ પડિસ્ખ્વે |૩૩| સે ણં એગાએ પઉમવરવેઝાએ એગેણ ય વણસંડેણ ય સવ્વતો સમંતા સંપરિકિખતે, સા ણં પઉમવરવેઝા અદ્વજોયણાં ઉડઢંઉચ્ચતેણં પંચધણુસયાઇં વિકખંભેણં ઉવકારિયલેણસમા પરિક્ખેવેણં, તીસે ણં પઉમવરવેઝાએ ઇમેયાર્લ્વે વણણવાસે બં૦ (તં૦-વયરામયા ણિમ્મા રિદ્વામયા પતિદ્વાણા વેર્લિયામયા ખંભા સુવણ્ણાર્પ્પમયા ફલગા લોહિયક્રમઈઓ સ્રૂઈઓ નાણામળિમયા કડેવરા ણાણામળિમયા કડેવરસંધાડગા ણાણામળિમયા રૂવા ણાણામળિમયા રૂવસંધાડગા અંકામયા પક્કબાહાઓ જોઝરસામયા વંસા વંસકવેલ્લુગા રઝામર્ઝીઓ પદ્વિયાઓ જાતરૂબમર્ઝી ઓહાડણી વઝરામયા ઉવરિપુછ્છણી સવ્વરયણામર્ઝી અચ્છાયણે પા૦), સા ણં પઉમવરવેઝા એગમેગેણ હેમજાલેણં ગવક્કબાજાલેણં રિખિખિણીજાલેણં ઘંટાજાલેણં મુત્તાજાલેણં મળિજાલેણં કણગજાલેણં રયણજાલેણં પઉમજાલેણં સવ્વતો સમંતા સંપરિકિખત્તા, તે ણં (દામા પા૦) તવળિજલંબૂસગા જાવ ચિદુંતિ, તીસે ણં પઉમવરવેઝાએ તત્થ ૨ દેસે ૨ તહિં ૨ બહ્વે હ્યસંધાડા જાવ ઉસભસંધાડા સવ્વરયણામયા અચ્છા જાવ પડિસ્ખ્વા પાસાદીયા જાવ વીહીતો પંતીતો મિહુણાણિ લયાઓ, સે કેણદ્રેણ ભંતે ! એવં વુચ્ચતિ-પઉમવરવેઝા ૨ ?, ગોયમા ! પઉમવરવેઝા ણં તત્થ ૨ દેસે ૨ તહિં ૨ વેઝાસુ વેઝાબાહાસુ ય વેઝયફલતેસુ ય વેઝયપુંદર્તરેસુ ય ખંભેસુ ખંભબાહાસુ ખંભસીસેસુ ખંભપુંદરેસુ સુયીસ સુયીમુખેસુ સ્રૂઈફલએસુ સ્રૂઈપુંદરેસુ પક્કખેસુ પક્કબાહાસુ પક્કખેપેરંતેસુ પક્કખપુંદરેસુ બહૂયાઇં ઉપ્પલાઇં પઉમાઇં કુમુયાઇં ણલિણાતિં સુભગાઇં સોગંધિયાઇં પુંડરીયાઇં મહાપુંડરીયાણિ સયવત્તાઇં સહસ્સવત્તાઇં સવ્વરયણામયાઇં અચ્છાઇં પડિસ્ખ્વાઇં મહયા વાસિકંચ્છતસમાણાઇં પંં સમણાઉસો ! સે એણં અદ્રેણ ગોયમા ! એવં વુચ્ચઝ-પઉમવરવેઝા ૨, પઉમવરવેઝા ણં ભંતે ! કિં સાસયા અસાસયા ?, ગોયમા ! સિય સાસયા સિય અસાસયા, સે કેણદ્રેણ ભંતે ! એવં વુચ્ચઝ-સિય સાસયા સિય અસાસયા ?, ગોયમા ! દવ્બદ્વયાએ સાસયા વત્તનપજ્જવેહિં ગંધપજ્જવેહિં રસપજ્જવેહિં ફાસપજ્જવેહિં અસાસયા, સે તેણદ્રેણ ગોયમા ! એવં વુચ્ચતિ-સિય સાસયા સિય અસાસયા, પઉમવરવેઝા ણં ભંતે ! કાલાઓ કેવચિરં હોઝ ?, ગોયમા ! ણ કયાવિ ણાસી ણ કયાવિ ણત્થિ ન કયાવિ ન ભવિસ્સસ્ય ભુવિં ચ હવઝ ય ભવિસ્સસ્ય ધ્યાવા ણિઝયા સાસયા અક્કબા અવદ્વિયા ણિચ્છા પઉમવરવેઝા, સે ણં વણસંડે દેસૂણાઇં દો જોયણાઇં ચક્કવાલવિકખંભેણં

ઉવયારિલેણસમે પરિક્રમેવેણ, વણસંડવણનો ભાણિતવો જાવ વિહરંતિ, તસ્સ ણં ઉવયારિયાલેણસ્સ ચતુદિસિં ચત્તારિ તિસોવાણપડિસ્ખુગા પં૦ વણઓ તોરણા ઝયા છત્તાઇચ્છત્તા, તસ્સ ણં ઉવયારિયાલયણસ્સ ઉવરિં બહુસમરમણિજે ભૂમિભાગે પં૦ જાવ મણીણં ફાસો । ૩૪। તસ્સ ણં બહુસમરમણિજસ્સ ભૂમિભાગસ્સ બહુમજઝદેસભાએ એથ્થ ણં મહેગે પાસાયવડેંસે પં૦, સે ણં પાસાયવડિંસ્તે પંચ જોયણસયાં ઉડઢંઉચ્ચતેણં અડઢાઇજ્જાં જોયણસયાં વિક્રખંભેણં અબ્ધગ્યમૂસિય વણનો ભૂમિભાગો ઉલ્લોઓ સીહાસણં સપરિવારં ભાણિયવ્બં, અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા, તે ણં મૂલપાસાયવડેંસગે અણેહિં ચતુહિં પાસાયવડેંસએહિં તયદ્ધુચ્ચત્પમાણમેત્તેહિં સવ્વતો સમંતા સંપરિકિખતે, તે ણં પાસાયવડિંસયા અણેહિં ચતુહિં પાસાયવડિંસએહિં તયદ્ધુચ્ચત્પમાણમેત્તેહિં સવ્વતો સમંતા સંપરિકિખતા, તે ણં પાસાયવડેંસયા પણવીસં જોયણસયં વિક્રખંભેણં જાવ વણઓ, તે ણં પાસાયવડિંસયા અણેહિં ચતુહિં પાસાયવડિંસએહિં તયદ્ધુચ્ચત્પમાણમેત્તેહિં સવ્વતો સમંતા સંપરિકિખતા, તે ણં પાસાયવડેંસગા બાવદ્વિં જોયણાં અદ્ધજોયણં ચ વિક્રખંભેણં અબ્ધગ્યમૂસિય વણઓ ભૂમિભાગે ઉલ્લોઓ સીહાસણં સપરિવારં ભાણિયવ્બં અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા, તે ણં પાસાયવડેંસગા અણેહિં ચતુહિં પાસાયવડેંસએહિં તદ્ધુચ્ચત્પમાણમેત્તેહિં સવ્વતો સમંતા સંપરિકિખતા, તે ણં પાસાયવડેંસગા બાવદ્વિં જોયણાં અદ્ધજોયણં ચ ઉડઢંઉચ્ચતેણં એકતીસં જોયણાં કોસં ચ વિક્રખંભેણં વણઓ ઉલ્લોઓ સીહાસણં સપરિવારં પાસાયઉવરિં અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા । ૩૫। તસ્સ ણં મૂલપાસાયવડેંસયસ્સ ઉત્તરપુરચ્છિમેણં એથ્થ ણં સભા સુહ્મા પં૦ એં જોયણાસયં આયામેણં પણાસં જોયણાં વિક્રખંભેણં બાવતરિં જોયણાં ઉડઢંઉચ્ચતેણં અણષગરંભસયસંનિવિદ્બા અબ્ધગ્યયસુકયવયરવેઝયાતોરણવરરઝયસાલિભંજિયાગા જાવ અચ્છરગણસંઘિપ્પકિણા પાસાદીયા૦, સભાએ ણં સુહ્માએ તિદિસિં તાઓ દારા પં૦ તં૦-પુરચ્છિમેણં દાહિણેણં ઉત્તરેણ, તે ણં દારા સોલસ જોયણાં ઉડઢંઉચ્ચતેણં અદૃ જોયણાં વિક્રખંભેણં તાવતિયં ચેવ પવેસેણં સેયા વરકણગથૂભિયાગા જાવ વણમાલાઓ, તેસિં ણં દારાણં ઉવરિં અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાઇચ્છત્તા, તેસિં ણં દારાણં પુરાઓ પત્તેયં ૨ મુહમંડવા પં૦, તે ણં મુહમંડવા એં જોયણસયં આયામેણં પણાસં જોયણાં વિક્રખંભેણં સાઇરેગાં સોલસ જોયણાં ઉડઢંઉચ્ચતેણં વણઓ સભાએ સરિસો, તેસિં ણં મુહમંડવાણં તિદિસિં તતો દારા પં૦ તં૦-પુરચ્છિમેણં દાહિણેણં ઉત્તરેણ, તે ણં દારા સોલસ જોયણાં ઉડઢંઉચ્ચતેણં અદૃજોયણાં વિક્રખંભેણં તાવઝયં ચેવ પવેસેણં સેયા વરકણગથૂભિયાગા જાવ વણમાલાઓ, તેસિં ણં મુહમંડવાણં ભૂમિભાગા ઉલ્લોયા, તેસિં ણં મુહમંડવાણં ઉવરિં અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાઇચ્છત્તા, તેસિં ણં મુહમંડવાણં પુરતો પત્તેયં ૨ પેચ્છાઘરમંડવે પં૦ મુહમંડવવત્તબ્યા જાવ દારા ભૂમિભાગા ઉલ્લોયા, તેસિં ણં બહુસમરમણિજાણં ભૂમિભાગાણં બહુમજઝદેસભાએ પત્તેયં ૨ વઝરામએ અકખાડાએ પં૦, તેસિં ણં વયરામયાણં અકખાડગાણં બહુમજઝદેસભાગે પત્તેયં ૨ મણિપેઢિયા પં૦, તાઓ ણં મણિપેઢિયાતો અદૃ જોયણાં આયામવિક્રખંભેણં ચત્તારિ જોયણાં બાહલ્લેણં સવ્વમણિમર્ઝાઓ અચ્છાઓ જાવ પડિસ્ખુવાઓ, તાસિં ણં મણિપેઢિયાણં ઉવરિં પત્તેયં ૨ સીહાસણે પં૦ સીહાસણવણાઓ સપરિવારો, તેસિં ણં પેચ્છાઘરમંડવાણં ઉવરિં અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા, તેસિં ણં પેચ્છાઘરમંડવાણં પુરાઓ પત્તેયં ૨ મણિપેઢિયાઓ પં૦ તાઓ ણં મણિપેઢિયાતો સોલસ જોયણાં આયામવિક્રખંભેણં અદૃ જોયણાં બાહલ્લેણં સવ્વમણિમર્ઝાઓ અચ્છાઓ પડિસ્ખુવાઓ, તાસિં ણં ઉવરિં ૨ થૂભે પં૦, તે ણં થૂભા સોલસ જોયણાં આયામવિક્રખંભેણં સાઇરેગાં સોલસ જોયણાં ઉડઢંઉચ્ચતેણં સેયા સંખંકુંદગરયઅમયમહિયફેણપુંજસંનિગસા સવ્વરયણામયા અચ્છા જાવ પડિસ્ખુવા, તેસિં ણં થૂભાણં ઉવરિં અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા, તેસિં ણં થૂભાણં ચઉદ્ધિસિં પત્તેયં ૨ મણિપેઢિયાતો પં૦, તાઓ ણં મણિપેઢિયાતો અદૃજોયણાં આયામવિક્રખંભેણં ચત્તારિ જોયણાં બાહલ્લેણં સવ્વમણિમર્ઝાઓ અચ્છાઓ જાવ પડિસ્ખુવાતો તેસિં ણં મણિપેઢિયાણં ઉવરિં ચત્તારિં જિણપડિમાતો જિણસ્સેહપમાણમેત્તાઓ સંપલિયંકનિસન્નાઓ થૂભાભિમુહીઓ સન્નિકિખતાઓ ચિદુંતિ તં૦-ઉસભા વદ્વમાણા ચંદાણા વારિસેણા, તેસિં ણં થૂભાણં પુરતો પત્તેયં ૨ મણિપેઢિયાતો પં૦, તાઓ ણં મણિપેઢિયાતો સોલસ જોયણાં આયામવિક્રખંભેણં અદૃ જોયણાં બાહલ્લેણં સવ્વમણિમર્ઝાઓ જાવ પડિસ્ખુવાતો, તાસિં ણં મણિપેઢિયાણં ઉવરિં પત્તેયં ૨ ચેઝયર્ખુક્ખે પં૦, તે ણં ચેઝયર્ખુક્ખે અદૃ જોયણાં ઉડઢંઉચ્ચતેણં અદ્ધજોયણ ઉબ્બેહેણં દો જોયણાં ખંધા અદ્ધજોયણં વિક્રખંભેણં છ જોયણાં વિડિમા બહુમજઝદેસભાએ અદૃ જોયણાં આયામવિક્રખંભેણં સાઇરેગાં અદૃ જોયણાં સવ્વગ્રોણં પં૦,

તેસિં ણ ચેઝ્યરૂક્ખાણં ઇમેયારૂવે વળણાવાસે પં૦ તં૦-વયરામયા મૂલા રયયસુપદ્ધિયા સુવિડિમા રિદ્વામયવિઉલા કંદા વેરુલિયા રૂઝલા ખંધા સુજાયવરજાયરૂવપદ્મમગા વિસાલસાલા નાણામણિમયરયણવિહસાહપ્પસાહા વેરુલિયપત્તતવણિજપત્તબિંટા જંબૂણયરત્તમઉયસુકુ માલપવાલસોભિયા વરંકુ રંગસિહરા વિચિત્તમણિરયણસુરભિકુસુમફલભરનમિયસાલા અહિયં મણનયણિબુઝિકરા અમયરસસમરસફલા સચ્છાયા સપ્પભા સસ્સિરીયા સઉજોયા પાસાઈયા૦, તેસિં ણ ચેઝ્યરૂક્ખાણં ઉવરિં અદૃઢુમંગલગા ઝયા છત્તાઇચ્છત્તા, તેસિં ણ ચેઝ્યરૂક્ખાણં પુરતો પત્તેયં ૨ મણિપેદ્ધિયાઓ પં૦, તાઓ ણ મણિપેદ્ધિયાઓ અદૃ જોયણાઇં આયામવિક્રંભેણં ચત્તારિ જોયણાઇં બાહલ્લેણં સવ્વમણિમર્ઝાઓ અચ્છાઓ જાવ પડિરૂખાઓ, તાસિં ણ મણિપેદ્ધિયાણં ઉવરિં પત્તેયં ૨ મહિંદ્જઝયા પં૦, તે ણ મહિંદ્જઝયા સદ્ધિં જોયણાઇં ઉદ્ઘંદું ઉચ્ચતેણ જોયણં ઉબ્વેહેણં જોયણં વિક્રંભેણં વઝરામયા વદ્ધલદૃસુસિલિદૃપરિઘદુમદૃસુપતિદ્ધિયા વિસિદ્ધા અણેગવરપંચવણિકુડભિસહસ્પરિમંડિયાભિરામા વાઉદ્ધુયવિજયવેજયંતીપડાગા છત્તાઇચ્છત્તકલિયા તુંગા ગયણતલમભિલંઘમાણસિહરા પાસાદીયા૦ અદૃઢુમંગલગા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા, તેસિં ણ મહિંદ્જઝયાણં પુરતો પત્તેયં ૨ નંદા પુક્ખરિણીઓ પં૦, તાઓ ણ પુક્ખરિણીઓ એં જોયણસયં આયામેણં પણાસં જોયણાઇં વિક્રંભેણં દસ જોયણાઇં ઉબ્વેહેણં અચ્છાઓ જાવ વળણાઓ એગઝયાઓ ઉદગરસેણ પં૦, પત્તેયં ૨ પઉમવરવેઝયા પરિક્રિખતાઓ પત્તેયં ૨ વળસંડપરિક્રિખતાઓ, તાસિં ણ ણંદાણ પુક્ખરિણીણં તિદિસિં તિસોવાણપડિરૂખગા પં૦, તિસોવાણપડિરૂખગાણ વળણાઓ તોરણા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા, સભાએ ણ સુહ્માએ અડયાલીસં મણોગુલિયાસાહસ્સીઓ પં૦ તં૦-પુરચ્છિમેણં સોલસ સાહસ્સીઓ પચ્છચ્છિમેણં સોલસ સાહસ્સીઓ દાહિણેણં અદૃસાહસ્સીઓ ઉત્તરેણં અદૃ સાહસ્સીઓ, તાસુ ણ મણાગુલિયાસુ બહવે સુવળણરૂપ્પમયા ફલગા પં૦, તેસુ ણ સુવન્નરૂપ્પમએસુ ફલગેસુ બહવે વઝરામયા ણાગદંતગા પં૦, તેસુ ણ વઝરામએસુ ણાગદંતએસુ કિણહસુત્તવદૃવગ્ધારિયમલ્લદામકલાવા૦ ચિદ્ધંતિ, સભાએ ણ સુહ્માએ અડયાલીસં ગોમાણસિયાસાહસ્સીઓ પં૦ જહા મણોગુલિયા જાવ ણાગદંતગા, તેસુ ણ ણાગદંતએસુ બહવે રયયામયા સિક્રગા પં૦, તેસુ ણ રયયામએસુ સિક્રગેસુ બહવે વેરુલિયાર્ઝાઓ ધૂવધિયાઓ પં૦, તાઓ ણ ધૂવધિયાઓ કાલાગુરૂપવર જાવ ચિદ્ધંતિ, સભાએ ણ સુહ્માએ અંતો બહુસમરમણજે ભૂમિભાગે પં૦ જાવ મણીહિં ઉવસોભિએ મણિફાસો ય ઉલ્લોઓ ય, તસ્સ ણ બહુસમરમણજ્ઝસ્સ ભૂમિભાગસ્સ બહુમજ્ઝદેસભાએ એથ ણ મહેગા મણિપેદ્ધિયા પં૦ સોલસ જોયણાઇં આયામવિક્રંભેણં અદૃ જોયણાઇં બાહલ્લેણં સવ્વમણિમયી જાવ પડિરૂખા, તીસે ણ મણિપેદ્ધિયાએ ઉવરિં એથ ણ માણવએ ચેઝ્યરૂક્ખંભે પં૦ સદ્ધિં જોયણાઇં ઉદ્ઘંદુંચેતેણ જોયણં ઉબ્વેહેણં જોયણં વિક્રંભેણં અડયાલીસં અંસિએ અડયાલીસં સઝકોડીએ અડયાલીસં સઝવિંગાહિએ સેસં જહા મહિંદ્જઝયસ્સ, માણવગસ્સ ણ ચેઝ્યરૂક્ખંભસ્સ ઉવરિંબારસ જોયણાઇં ઓગાહેતા હેદ્વાવિ બારસ જોયણાઇં વજેતા મજજે છતીસાએ જોયણેસુ એથ ણ બહવે સુવળણરૂપ્પમયા ફલગા પં૦, તેસુ ણ સુવળણરૂપ્પામએસુ ફલએસુ બહવે વઝરામયા ણાગદંતા પં૦, તેસુ ણ વઝરામએસુ નાગદંતેસુ બહવે રયયામયા સિક્રગા પં૦, તેસુ ણ રયયામએસુ સિક્રગેસુ બહવે વઝરામયા ગોલવદૃસમુજ્યા પં૦, તેસુ ણ વયરામએસુ ગોલવદૃસમુજ્યાએસુ બહવે (હૂંઓ) જિણસકહાતો સંનિક્રિખતાઓ ચિદ્ધંતિ તાતો ણ સૂરિયાભસ્સ દેવસ્સ અન્નેસિં ચ બહૂણ દેવાણ ય દેવીણ ય અચ્છણિજાઓ જાવ પજુવાસણિજાતો, માણવગસ્સ ણ ચેઝ્યરૂક્ખંભસ્સ ઉવરિં અદૃઢુમંગલયા ઝયા છત્તાઇચ્છત્તા । ૩૬। તસ્સ માણવગસ્સ ચેઝ્યરૂક્ખંભસ્સ પુરચ્છિમેણં એથ ણ મહેગા મણિપેદ્ધિયા પં૦, અદૃ જોયણાઇં આયામવિક્રંભેણં ચત્તારિ જોઅણાઇં બાહલ્લેણં સવ્વમણિમર્ઝા અચ્છા જાવ પડિરૂખા, તીસે ણ મણિપેદ્ધિયાએ ઉવરિં એથ ણ મહેગે સીહાસણે વળણતો સપરિવારો, તસ્સ ણ માણવગસ્સ ચેઝ્યરૂક્ખંભસ્સ પચ્છત્યિમેણં એથ ણ મહેગા મણિપેદ્ધિયા પં૦ અદૃ જોયણાઇં આયામવિક્રંભેણં ચત્તારિ જોયણાઇં બાહલ્લેણં સવ્વમણિમર્ઝા અચ્છા જાવ પડિરૂખા, તીસે ણ મણિપેદ્ધિયાએ ઉવરિં એથ ણ મહેગે દેવસયણજે પં૦, તસ્સ ણ દેવસયણજ્ઝસ્સ ઇમેયારૂવે વળણાવાસે પં૦ તં૦-ણાણામણિમયા પડિપાયા સોવન્નિયા પાયા ણાણામણિમયાઇં પાયસીસગાઇં જંબૂણયામયાઇં ગત્તગાઇં વયરામયા સંધી ણાણામણિમએ વિચ્ચે રયયામયા તૂલી તવણિજમયા ગંડોવહાણયા લોહિયક્રમયા બિબ્બોયણા, સે ણ સયણિજે ઉભાઓ બિબ્બોયણે દુહતો ઉણણતે મજજે ણયગંભીરે સાલિંગણવદ્વિએ ગંગાપુલિણવાલુયા ઉદાલસાલિસએ સુવિરઇયરયત્તાણે ઉવચિયક્રોમદુગુલ્લપદૃપદ્ધિચ્છાયણે રત્સસુયસંવુએ સુરમ્મે

આઇણગ્રાન્યબૂરણવણીયતૂલફાસે મઉતે । ૩૭। તસ્સ ણ દેવસયણિજસ્સસ ઉત્તરપુરચ્છિમેણ મહેગા મળિપેઢિયા પં૦ અદૃ જોયણાં આયામવિક્રખંભેણ ચત્તારિ જોઅણાં બાહલ્લેણ સવ્વમળિમયી જાવ પડિસ્થવા, તીસે ણ મળિપેઢિયાએ ઉવરિં એથ ણ મહેગે ખુડાએ મહિદજઝએ પં૦ સદ્ગું જોયણાં ઉડઢંઉચ્વત્તેણ જોયણ વિક્રખંભેણ વિજ્ઞામયા વદ્દલદુસંઠિયસુસિલિદુજાવપડિસ્થવા ઉવરિં અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા, તસ્સ ણ ખુડાગમહિંદજઝયસ્સ પચ્ચત્થિમેણ એથ ણ સૂરિયાભસ્સ દેવસ્સ ચોપ્પાલે નામ પહરણકોસે પં૦ સવ્વવિજ્ઞામએ અચ્છે જાવ પડિસ્થવે, તત્થ ણ સૂરિયાભસ્સ દેવસ્સ ફલિહરણખગગયાધણુપ્પમુહા બહવે પહરણરયણા સંનિકિખત્તા ચિદ્ગુંતિ ઉજલા નિસિયા સુતિક્રખધારા પાસાદીયા૦, સભાએ ણ સુહમ્માએ ઉવરિં અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા । ૩૮। સભાએ ણ સુહમ્માએ (૧૪૬) ઉત્તરપુરચ્છિમેણ એથ ણ મહેગે સિદ્ગાયતણે પં૦ એં જોયણસયં આયામેણ પન્નાસં જોયણાં વિક્રખંભેણ બાવતરિં જોયણાં ઉડઢંઉચ્વત્તેણ સભાગમેણ જાવ ગોમાણસિયાઓ ભૂમિભાગા ઉલ્લોયા તહેવ, તસ્સ ણ સિદ્ગાયતણસ્સ બહુમજ્જદેસભાએ એથ ણ મહેગા મળિપેઢિયા પં૦ સોલસ જોયણાં આયામવિક્રખંભેણ અદૃ જોયણાં બાહલ્લેણ, તીસે ણ મળિપેઢિયાએ ઉવરિં એથ ણ મહેગે દેવચ્છંદએ પં૦ સોલસ જોયણાં આયામવિક્રખંભેણ સાઝેરેગાં સોલસ જોયણાં ઉડઢંઉચ્વત્તેણ સવ્વરયણામએ જાવ પડિસ્થવે, એથ ણ અદૃસયં જિણપડિમાણ જિણસ્સેહપ્પમાણમિન્તાણ સંનિકિખત્તા સંચિદ્ગતિ, તાસિં ણ જિણપડિમાણ ઇમેયાસ્થવે વણાવાસે પં૦ તં૦-તવણિજમયા હત્થતલપાયતલા અંકામયાં નક્રખાં અંતોલોહિયક્રખપડિસેગાં કણગામર્ઝાઓ જંઘાઓ કણગામયા જાણુ કણગામયા ઊસુકણગામર્ઝાઓ ગાયલદ્વીઓ તવણિજમયાઓ નાભીઓ રિદ્વામર્ઝાઓ રોમરાઈઓ તવણિજમયા ચુચ્ચ્યા તવણિજમયા સિરિવચ્છાસિલપ્પવાલમયા ઓદ્વા ફાલિયામયા દંતા તવણિજમર્ઝાઓ જીહાઓ તવણિજમયા તાલુયા કણગામર્ઝાઓ નાસિંગાઓ અંતોલોહિયક્રખપડિસેગાઓ અંકામયાણ અચ્છીણ અંતોલોહિયક્રખપડિસેગાણ રિદ્વામર્ઝાઓ તારાઓ રિદ્વામયાણ અચ્છિપત્તાણ રિદ્વામર્ઝાઓ ભમુહાઓ કણગામયા કવોલા કણગામયા સવણા કણગામર્ઝાઓ ણિડાલપદ્વિયાતો વિજ્ઞામર્ઝાઓ સીસઘદીઓ તવણિજમર્ઝાઓ કેસંતકેસભૂમીઓ રિદ્વામયા ઉવરિં મુદ્ધ્ય તાસિં ણ જિણપડિમાણ પિદુતો પત્તેયં છત્તધારગપડિમાઓ પં૦, તાઓ ણ છત્તધારગપડિમાઓ હિમરયયકુંદેદુપ્પસાં સકોરેટમલ્લદામાં ધવલાં આયવત્તાં સલીલં ધારેમાણીઓ ચિદ્ગુંતિ, તાસિં ણ જિણપડિમાણ ઉભાઓ પાસે પત્તેયં ચામરધારપડિમાતો પં૦, તાઓ ણ ચામરધારપડિમાતો ણાણમળિકણગરયણવિમલમહરિહ જાવ સલીલં ધારેમાણીઓ ચિદ્ગુંતિ, તાસિં ણ જિણપડિમાણ પુરતો દો દો નાગપડિમાતો ભૂયપડિમાતો જક્રખપડિમાઓ કુંડધારપડિમાઓ સવ્વરયણમર્ઝાઓ અચ્છાઓ જાવ ચિદ્ગુંતિ, તાસિં ણ જિણપડિમાણ પુરતો અદૃસયં ઘંટાણ અદૃસયં કલસાણ અદૃસયં ભિંગારાણ એવં આયંસાણ થાલાણ પાઈણ સુપદ્વાણ મળોગુલિયાણ વાયકરણ ગાણ ચિત્તાણ રયણકરંડગાણ હ્યકંઠાણ જાવ ઉસભકંઠાણ પુષ્પચંગેરીણ જાવ લોમહત્થચંગેરીણ પુષ્પપડલગાણ જાવ લોમહત્થપડલગાણ તેલ્લસમુગ્ગાણ જાવ અંજણસમુગ્ગાણ અદૃસયં ધૂવકદૂચ્છ્યાણ સંનિકિખત્તા ચિદ્ગતિ, સિદ્ગાયતણસ્સ ણ ઉવરિં અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા । ૩૯। તસ્સ ણ સિદ્ગાયતણસ્સ ઉત્તરપુરચ્છિમેણ એથ ણ મહેગા ઉવવાયસભા પં૦ જહા સભાએ સુહમ્માએ તહેવ જાવ મળિપેઢિયા અદૃ જોયણાં દેવસયણિજાં તહેવ સયણિજવણાઓ અદૃદુમંગલગા ઝયા છત્તાતિચ્છત્તા, તીસે ણ ઉવવાયસભાએ ઉત્તરપુરચ્છિમેણ એથ ણ મહેગે હરએ પં૦ એં જોયણસયં આયામેણ પણાસં જોયણાં વિક્રખંભેણ દસ જોયણાં ઉવ્વેહેણ તહેવ, તસ્સ ણ હરયસ્સ ઉત્તરપુરચ્છિમેણ એથ ણ મહેગા અભિસેગસભા પં૦ સુહમ્માગમએણ જાવ ગોમાણસિયાઓ મળિપેઢિયા સીહાસણ સપરિવાર જાવ દામા ચિદ્ગુંતિ, તત્થ ણ સૂરિયાભસ્સ દેવસ્સ બહુઅભિસેયભંડે સંનિકિખત્તે ચિદ્ગતિ અદૃદુમંગલગા તહેવ, તીસે ણ અભિસેગસભાએ ઉત્તરપુરચ્છિમેણ એથ ણ મહેગે અલંકારિયસભા પં૦ જહા સભા સુધમ્મા મળિપેઢિયા અદૃ જોયણાં સીહાસણ સપરિવાર, તત્થ ણ સૂરિયાભસ્સ દેવસ્સ સુબહુઅલંકારિયભંડે સંનિકિખત્તે ચિદ્ગતિ સેસં તહેવ, તીસે ણ અલંકારિયસભાએ ઉત્તરપુરચ્છિમેણ એથ ણ મહેગા વબસાયસભા પં૦ જહા ઉવવાયસભા જાવ સીહાસણ સપરિવાર મળિપેઢિયા અદૃદુમંગલગા, તત્થ ણ સૂરિયાભસ્સ દેવસ્સ મહેગે પોત્થયરયણે સન્નિકિખત્તે ચિદ્ગતિ, તસ્સ ણ પોત્થયરયણસ્સ ઇમેયાસ્થવે વણાવાસે પં૦ તં૦-રયણમયાં પત્તગાં રિદ્વામઝ્યો કંબિઆઓ તવણિજમએ દોરે નાણમળિમએ ગંઠી વેરુલિયમએ લિપ્પાસણે રિદ્વામએ છંદણે તવણિજમર્ઝાં સંકલા રિદ્વામર્ઝા મસી વિજ્ઞામર્ઝા લેહણી રિદ્વામયાં અક્રખરાં ધમ્મિએ સત્થે, વબસાયસભાએ

यं उवरिं अद्वृमंगलगा, तीसे णं ववसायसभाए उत्तरपुरच्छिमेणं एत्थ णं नंदापुकखरिणी पं० हरयसरिसा, तीसे णं णंदाए पुकखरिणीए उत्तरपुरच्छिमेणं महेगे बलिपीढे पं० सब्वरयणामए अच्छे जाव पडिरुवे ।४०। तेण कालेण० सूरियाभे देवे अहुणोववण्णमित्तए चेव समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तीभावं गच्छइ तं०-आहारपज्जत्तीए सरीर० इंदिय० आणपाण० भासामणपज्जत्तीए, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तीभावं गयस्स समाणस्स इमेयारुवे अब्मत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-किं मे पुव्विं करणिज्जं किं मे पच्छा करणिज्जं किं पुव्विं सेयं किं मे पच्छा से यं किं मे पुव्विंपि पच्छावि हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ ?, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स सामाणियपरिसोववन्नगा देवा सूरियाभस्स देवस्स इमेयारुवमब्मत्थियं जाव समुप्पन्नं समभिजाणित्ता जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छंति सूरियाभं देवं करयलपरिग्गहिय० सिरसावत्तं मथए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्वाविन्ति त्ता एवं व०-एवं खलु देवाणुप्पियाणं सूरियाभे विमाणे सिद्धायतणंसि जिणपडिमाणं जिणुस्सेहपमाणमित्ताणं अद्वसयं संनिक्रिखतं चिद्वंति, सभाए णं सुहम्माए माणवए चेइए खंभे वझरामएसु गोलवद्वसमुग्गएसु बहूइओ जिणसकहाओ संनिक्रिखत्ताओ चिद्वंति, ताओ णं देवाणुप्पियाणं देवाण य देवीण य अच्यणिज्जाओ जाव पज्जुवासणिज्जाओ, तं एयं णं देवाणुप्पियाणं पुव्विं करणिज्जं तं एयं णं देवाणुप्पियाणं पच्छा करणिज्जं तं एयं णं देवाणुप्पियाणं पुव्विं सेयं तं एयं णं देवाणुप्पियाणं पच्छा सेयं तं एयं णं देवाणुप्पियाणं पुव्विंपि पच्छावि हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भविस्सति ।४१। तए णं से सूरियाभे देवे तेसिं सामाणियपरिसोववन्नगाणं देवाणं अंतिए एयमद्वं सोच्चा निसम्म हृष्टुद्वजावहयहियए सयणिज्जाओ अभुद्वेति त्ता उवायसभाओ पुरच्छिमिल्लेण दारेणं निगच्छइ जेणेव हरए तेणेव उवागच्छति त्ता हरयं अणुपयाहिणीकरेमाणे पुरच्छिमिल्लेणं तोरणेणं अणुपविसइ त्ता पुरच्छिमिल्लेणं तिसोवाणपडिरुवएणं पच्चोरुहइ त्ता जलावगाह० जलमज्जण० जलकिडं० जलाभिसेयं करेइ त्ता आयंते चोकखे परमसुईभूए हरयाओ पच्चोत्तरइ त्ता जेणेव अभिसेयसभा तेणेव उवागच्छति त्ता अभिसेयसभं अणुपयाहिणीकरेमाणे पुरच्छिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ त्ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसन्ने, तए णं सूरियाभस्स देवस्स सामाणियपरिसोववन्नगा देवा आभिओगिए देवे सद्वावेंति त्ता एवं व०-खिप्पामेव भो ! देवाणुप्पदां सूरियाभस्स देवस्स महत्थं महग्घं महरिहं विउलं इंदाभिसेयं उवद्ववेह, तए णं ते आभिओगिआ देवा सामाणियपरिसोववन्नेहिं देवेहिं एवं वुत्ता समाणा हृष्टा जाव हियया करंयलपरिग्गहिय० सिरसावत्तं मथए अंजलिं कट्टु एवं देवो ! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति त्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्रमंति त्ता वेउव्वियसमुग्धाएणं समोहणंति त्ता संखेजाइं जाव दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्धाएणं समोहणित्ता अद्वसहस्सं सावन्नियाणं कलसाणं अद्वसहस्सं रूप्पमयाणं कलसाणं अद्वसहस्सं मणिमयाणं कलसाणं अद्वसहस्सं सुवण्णरूप्पमयाणं कलसाणं अद्वसहस्सं सुवन्नमणिमयाणं कलसाणं अद्वसहस्सं रूप्पमणिमयाणं कलसाणं अद्वसहस्सं सुवण्णरूप्पमणियाणं कलसाणं अद्वसहस्सं भोमिज्जाणं कलसाणं, एवं भिंगाराणं आयंसाणं थालाणं पाईणं सुपतिद्वाणं रयणकरडगाणं पुफ्चंगेरीणं जाव लोमहत्थचंगेरीणं पुफ्पडलगाणं जाव लोमहत्थपडलगाणं छत्ताणं चामराणं तेल्लसमुग्गाणं जाव अंजणसमुग्गाणं अद्वसहस्सं धूवकदुच्छयाणं विउव्वंति त्ता ते साभाविए य वेउव्विए य कलसे य जाव कदुच्छुएय गिणहंति त्ता सूरियाभाओ विमाणाओ पडिनिकखमंति त्ता ताए उक्किडाए चवलाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं जाव वीतिवयमाणे २ जेणेव खीरोदयसमुद्दे तेणेव उवागच्छति त्ता खीरोयगं गिणहंति जाइं तत्थ उप्पलाइं ताइं गेणहंति जाव सयसहस्सपत्ताइं गिणहंति त्ता जेणेव पुकखरोदए समुद्दे तेणेव उवागच्छंति त्ता पुकखरोदयं गेणहंति त्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गिणहंति त्ता जेणेय समयखेत्ते जेणेव भरहेरवयाइं वासाइं जेणेव मागहवरदामपभासाइं तित्थाइं तेणेव उवागच्छंति त्ता तित्थोदगं गेणहंति त्ता तित्थमद्वियं गेणहंति त्ता जेणेव गंगासिंधुरत्तारत्तवईओ महानईओ तेणेव उवागच्छंति त्ता सलिलोदगं गेणहंति त्ता उभओ कूलमद्वियं गेणहंति त्ता जेणेव चुल्लहिमवंतसिहरिवासहरपव्वया तेणेव उवागच्छंति त्ता सब्वतुयरे सब्वपुष्फे सब्वगंधे सब्वमल्ले सब्वोसहिसिद्धत्थए गिणहंति त्ता जेणेव पउमपुंदरीयदहे तेणेव उवागच्छंति त्ता दहोदगं गेणहंति त्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गेणहंति त्ता जेणेव हेमवयएरण्णवयाइं

वासाइं जेणेव रोहियरोहियं सासुवण्णकूलरूप्पकूलाओ महाणईओ तेणेव उवागच्छंति सलिलोदगं गेणहंति ता उभओ कूलमद्विंयं गिणहंति ता जेणेव सद्वातिवियडावातिपरियागा वट्वयइढपव्या तेणेव उवागच्छन्ति ता सब्वतुये तहेव जेणेव महाहिमवंतरूप्पिवासहरपव्या तेणेव उवागच्छंति तहेव जेणेव महापउममहापुंडरीयद्वा तेणेव उवागच्छंति ता दहादगं गिणहंति तहेव जेणेव हरिवासरम्मगवासाइं जेणेव हरिहरिकंतनरनारीकंताओ महाणईओ तेणेव उवागच्छंति तहेव जेणेव गंधावइमालवंतपरियाया वट्वेयइढपव्या तेणेव तहेव जेणेव णिसढणीलवंतवासधरपव्या तहेव जेणेव तिगिच्छिकेसरिद्वाहा तेणेव उवागच्छंति ता तहेव जेणेव महाविदेहे वासे जेणेव सीतासीतोदा महाणदीओ तेणेव तहेव जेणेव सब्वचक्कवट्विजया जेणेव सब्वमागहवरदामपभासाइं तिथाइं तेणेव उवागच्छंति ता तिथोदगं गेणहंति ता जेणेव सब्वंतरणईओ जेणेव सब्वकर्खारपव्या तेणेव उवागच्छंति सब्वतुये तहेव जेणेव मंदरे पव्वते जेणेव भद्रसालवणे तेणेव उवागच्छंति सब्वतुये सब्वपुप्फे सब्वमल्ले सब्वोसहिसिद्धत्थए य गिणहंति ता जेणेव णदणवणे तेणेव उवागच्छंति ता सब्वतुये जाव सब्वोसहिसिद्धत्थए य सरसगोसीसचंदणं गिणहंति ता जेणेव सोमणसवणे तेणेव उवागच्छंति सब्वतुये जाव सब्वोसहिसिद्धत्थए य सरसगोसीसचंदणं च दिव्वं च सुमणदांमं दहरमलयसुंगथिए य गंधे गिणहंति ता एगतो मिलायंति ता ताए उक्किट्टाए जाव जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव सूरियाभे विमाणे जेणेव अभिसेयसभा जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छंति ता सूरियाभं देवं करयलपरिण्णहियं० सिरसावतं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं वद्वावितं ता तं महत्थं महगं महरिहं विउलं इंदाभिसेयं उवडुवेंति, तए णं तं सूरियाभं देवं चत्तारि सामाणियसाहस्रीओ चत्तारि अग्गमहिसीओ सपरिवारातो तिन्नि परिसाओ सत्त अणियाहिवर्झो जाव अन्नेवि बहवे सूरियाभविमाणवासिणो देवा य देवीओ य तेहिं साभाविएहि य वेउब्बिएहिं य वरकमलपइट्टाणेहि य सुरभिवरवारिपडिपुन्नेहिं चंदणकयच्चएहिं आविद्धकंठगुणेहिं पउमुप्पलपिहाणेहिं सुकुमालकोमलकरयलपरिण्णहिएहिं अट्ठसहस्सेणं सोवन्नियाणं कलसाणं जाव अट्ठसहस्सेणं भोमिजाणं कलसाणं सब्वोदएहिं सब्वमद्वियाहिं सब्वतूयेरेहिं जाव सब्वोसहिसिद्धत्थएहिं य सब्विइढीए जाव वाइएणं महया २ इंदाभिसेणं अभिसिंचंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स महया २ इंदाभिसेए वट्वमाणे अप्पेगतिया देवा सूरियाभं विमाणं नच्चोयगं नातिमद्वियं पविरलप्पफुसियरयरेणुविणासणं दिव्वं सुरभिगंधोदगं वासं वासंति अप्पे० हयरयं नदुरयं भद्ररयं उवसंतरयं उवसंतरयं पसंतरयं करेंति अप्पे० आसियसंमज्जिबओलितं सुइसंमद्वरत्थंतरावणवीहियं करेंति अप्पे० मंचाइमंचकलियं करेंति अप्पे० णाणाविहरागोसियझयपडागाइपडागमंडियं करेंति अप्पे० लाउल्लोइयमहियं गोसीससरसरत्तचंदणदहरदिणपंचंगुलितलं करेंति अप्पे० उवचिचंदणकलसं चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागं करेंति अप्पे० आसत्तोसत्तविउलवट्वग्धारियमल्लदामकलावं करेंति अप्पे० पंचवण्णसुरभिमुक्कपुण्जोवयारकलियं करेंति अप्पे० कालागुरुपवरकुदुरुक्कतुरुक्कधूवमधमघंतगंधुद्व्याभिरामं करेंति अप्पे० सुगंधगंधियं गंधवट्विभूतं करेंति अप्पे० हिरण्णवासं वासंति सुवण्णवासं वासंति रययवासं वासंति वझरवासं० पुण्फवासं- फलवासं० मल्लवासं० गंधवासं० चुण्णवासं० आभरणवासं वासंति अप्पे० हिरण्णविहिं भाएंति एवं सुवन्नविहिं रयणविहिं भाएंति एवं सुवन्नविहिं रयणविए० (प्र० वयरविहिं) पुण्फविहिं फलविहिं मल्लविहिं चुण्णविहिं वत्थविहिं गंधविहिं तत्थ अप्पेगतिया देवा आभरणविहिं भाएंति, अप्पेगतिया चउब्बिहं वाइतं वाइंति तं०- ततं विततं घणं झुसिरं, अप्पेगइया देवा चउब्बिहं गेयं गायंति, तं०- उक्खिज्ञायं पायज्ञायं मंदायं रोइतावसाणं अप्पेगतिया देवा दुयं नद्विहिं उवदंसंति अप्पे० विलंबियणद्विहिं० अप्पे० दुतविलंबियं णद्विहिं० एवं अप्पे० अंचियं नद्विहिं उवदंसेति अप्पे० रिभियं नद्विहिं अप्पे० अंचियरिभियं एवं आरभडं भसोलं आरभडभसोलं उप्पयनिचयपमत्तं संकुचियपसारियं रियारियं भंतसंभतणामं दिव्वं णद्विहिं उवदंसेति, अप्पे० चउब्बिहं अभिणयं अभिणयंति, तं०- दिव्डुतियं पाडंतियं पाडंतियं सामंतोवणिवाइयं लोगअंतोमञ्जावसाणियं, अप्पेगतिया देवा बुक्कारेंति अप्पे० पीणेंति अप्पे० वासंति अप्पे० अक्करेंति अप्पे० विणंति अप्पे० तंडवेंति अप्पे० वग्गंति अप्पे० अफोडेंति अप्पे० अफोडेंति वग्गंति अप्पे० तिवइं छिंदंति अप्पे० हयहेसियं करेंति अप्पे० हत्थिगुलगुलाइयं० अप्पे० रहघणघणाइयं० अप्पे० हयहेसियहत्थिगुलगुलाइयरहघणघणाइयं० अप्पे० उच्छोलेंति अप्पे० पच्छोलेंति अप्पे० उक्किट्टियं करेंति

अप्पे० तिन्निवि अप्पे० ओवयंति अप्पे० उप्पयंति अप्पे० परिवयंति अप्पे० तिन्निवि अप्पे० सीहनायंति अप्पे० पाददद्वरयं अप्पे० भूमिचवेदं दलयंति अप्पे० तिन्निवि अप्पे० गजंति अप्पे० गजंति अप्पे० विज्युयायंति अप्पे० वासं वासंति अप्पे० तिन्निवि करेंति अप्पे० जलंति अप्पे० तवंति अप्पे० पतवेंति अप्पे० तिन्निवि अप्पे० हक्कारेंति अप्पे० थुक्कारेंति अप्पे० धक्कारेंति अप्पे० साइं २ नामाइं साहेंति अप्पे० चत्तारिवि अप्पेगइया देवा देवसन्निवायं करेंति अप्पे० देवुज्जोयं करेंति अप्पे० देवुक्कलियं करेंति अप्पे० देवकहकहगं करेंति अप्पे० देवुहुहुहुगं करेंति अप्पे० चेलुकखेवं करेंति अप्पे० उप्पलहृत्थगया जाव सयसहस्रपत्तहृत्थगया अप्पे० कलसहृत्थगया जाव धूवकडुच्छुयहृत्थगया हट्टुतुद्वजावहिया सव्वतो समंता आहावंति परिधावंति, तए णं सूरियाभं देवं चत्तारि सामाणियसाहस्रीओ जाव सोलस आयरक्खदेवसाहस्रीओ अण्णे य बहवे सूरियाभरायहाणिवत्थव्वा देवा य देवीओ महया २ इंदाभिसेगेणं अभिसिंचंति ता पतेयं २ करयलपरिग्नहियं० सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं व०- जय २ नंदा जय जय भद्वा जय जय नंदा ! भद्वं ते अजियं जिणाहि जियं च पालेहि जियमज्ज्ञे वसाहि इंदोइव देवाणं चंदोइव ताराणं चमरोइव असुराणं धरणोइव नागाणं भरहोइव मणुयाणं बहूं पलिओवमाइं बहूं सागरोवमाइं चउहं सामाणियसाहस्रीणं जाव आयरक्खदेवसाहस्रीणं सूरियाभस्स विमाणस्स अन्नेसिं च बहूं सूरियाभविमाणवरसीणं देवाण य देवीण य आहेवचं जाव महया २ कारेमाणे पालेमाणे विहराहितिकट्टु जय २ सदं पउंजंति, तए णं से सूरियाभे देवे महया २ इंदाभिसेगेणं अभिसित्ते समाणे अभिसेयसभाओ पुरच्छिमिल्लेण दारेणं निगच्छति ता जेणेव अलंकारियसभा अणुप्याहिणीकरेमाणे अणुप्याहिणीकरेमाणे अलंकारियसभं पुरच्छिमिल्लेण दारेणं अणुपविसति ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छति सीहासणवरगते पुरत्थाभिमुहे सन्निसन्ने, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स सामाणियपरिसोववन्नगा देवा अलंकारिभंडं उवट्टवेंति, तए णं से सूरियाभे देवे तप्पदमयाए पम्हलसूमालाए सुरभीए गंधकासाईए गायाइं लुहेति ता सरसेण गोसीसचंदणेण गायाइं अणुलिंपति ता नासानीसासवायवोज्ज्ञं चकखुहरं वन्नफरिसजुत्त हयलालापेलवातिरेणं धवलं कणगखचियन्तकमं आगासफालियसमप्पभं दिव्वं देवदूसजुयलं नियंसेति ता हारं पिणद्वेति ता अद्वहारं पिणद्वेइ ता एगावलं पिणद्वेति ता मुत्तावलं पिणद्वेति ता रयणावलं पिणद्वेइ ता एवं अंगयाइं केयूराइं कडगाइं तुडियाइं कडिसुत्तगं दसमुद्दाणंतंगं विकच्छसुत्तगं मुरविं पालंबं कुंडलाइं चूडामणिं मउडं पिणद्वेइ ता गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं चउव्विहेणं मल्लेणं कप्परुक्खगंपिव अप्पाणं अलंकियविभूसियं करेइ ता दद्वरमलयसुगंधंगंधिएहिं गायाइं भुखंडेइ दिव्वं च सुमणदाणं पिणद्वेइ ।४२। तए णं से सूरियाभे देवे केसालंकारेणं मल्लालंकारेणं आभरणालंकारेणं वत्थालंकारेणं चउव्विहेणं अलंकारेणं अलंकियविभूसिए समाणे पडिपुण्णालंकारे सीहासणाओ अब्मुद्वेति ता अलंकारियसभाओ पुरच्छिमिल्लेण दारेणं पडिणिक्खमइ ता जेणेव ववसयसभा तेणेव उवागच्छति ववसायसभं अणुप्याणीकरेमाणे पुरच्छिमिल्लेण दारेणं अणुपविसति जेणेव सीहासणवरए जाव सन्निसन्ने, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स सामाणियपरिसोववन्नगा देवा पोत्थरयणं उवणे(प्र० णमं)ति, तते णं से सूरियाभे देवे पोत्थरयणं गिणहति ता पोत्थरयणं मुयइ ता पोत्थरयणं विहाडेइ ता पोत्थरयणं वाएति ता धम्मियं ववसायं गिणहति ता पोत्थरयणं पडिनिक्खवइ ता सीहासणातो अब्मुद्वेति ता ववसायसभातो पुरच्छिमिल्लेण दारणं पडिनिक्खमइ ता जेणेव नंदा पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छति ता णंदापुक्खरिणं पुरच्छिमिल्लेणं तोरणेणं पुरच्छिमिल्लेणं तिसोवाणपडिरुवएणं पच्चोरुहइ ता हृत्थपादं पक्खालेति ता आयंते चोक्खेपरमसुइभूए एगं महं सेयं रययामयं विमलसलिलपुण्णं मत्तगयमुहागितिसमाणं भिंगारं पगेणहति ता जाइं तथ्य उप्पलाइं जाव सतसहस्रपत्ताइं ताइं गेणहति ता णंदातो पुक्खरिणीतो पच्चोरुहति ता जेणेव सिद्धायतणे तेणेव पहारेत्थ गमणाए ।४३। तए णं तं सूरियाभं देवं चत्तारि य सामाणियसाहस्रीओ जाव सोलस आयरक्खदेवसाहस्रीओ अन्ने य बहवे सूरियाभ जाव देवीओ य अप्पेगतिया देवा उप्पलहृत्थगया जाव सयसहस्रपत्तहृत्थगया सूरियाभं देवं पिडुतो २ समणुगच्छंति, तए णं तं सूरियाभं देवं बहवे आभिओगिया' देवा य देवीओ य अप्पेगतिया कलसहृत्थगया जाव अप्पेगतिया धूवकडुच्छुयहृत्थगता हट्टुतुद्व जाव सूरियाभं देवं पिडुतो समणुगच्छंति, तए णं से सूरियाभे देवे चउहिं सामाणियसाहस्रीहिं जाव अन्नेहि य बहूहि य सूरियाभ जाव देवेहि य देवीहि य सद्भिं संपरिवुडे सव्विहीए जाव

नातियरवेणं जेणेव उवागच्छति ता सिद्धायतणं पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसति ता जेणेव देवच्छंदए जेणेव जिणपडिमाओ तेणेव उवागच्छति ता जिणपडिमाणं आलोए पणामं करेति ता लोमहृथगं गिणहति ता जिणपडिमाणं लोमहृथएणं पमजइ ता जिणपडिमाओ सुरभिणा गंधोदएणं णहाणेइ ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपइ ता सुरभिंधकासाइएणं गायाइं लूहेति ता जिणपडिमाणं अहयाइं देवदूसजूयलाइं नियंसेइ ता पुफ्फ रुहणं मल्लारुहणं गंधारुहणं चुण्णारुहणं वन्नारुहणं वत्थारुहणं आभरणारुहणं करेइ ता आसत्तोसत्तविउलवट्वग्धारियमल्लदामकलावं करेइ ता कयग्गहग्हियकरयलपब्मट्विप्पमुक्रेणं दसद्ववन्नेणं कुसुमेण मुक्रपुफ्पुंजोवयारकलियं करेति ता जिनपडिमाणं पुरतो अच्छेहिं सणहेहिं रययामएहिं अच्छरसातंदुलेहिं अट्टुमंगले आलिहइ तं० - सोत्थियं जाव दप्पणं, तयाणंतरं. च णं चंदप्पभरयणवइरवेरुलियमलदंडं कंचणमणिरयणभत्तिचित्तं कालागुरुपवरकुंदुरुक्रतुरुक्रधूवगधमघंतंगंधुत्तमाणुविद्धं च धूववहिं विणिम्मुयंतं वेरुलियमयं कहुच्छ्यं पग्गहिय पयत्तेणं धूवं दाऊण जिणवराणं अट्टसयविसुद्धगन्थजुत्तेहिं अत्थजुत्तेहिं अपुणरुत्तेहिं महावित्तेहिं संथुणइ ता सत्तद्व पयाइं पच्चोसकइ ता वामं जाणुं अंचेइ ता दाहिणं जाणुं धरणितलंसि निहुद्व तिक्खुत्तो मुद्धाणं धरणितलंसि निवाडेइ ता ईसिं पच्चुण्णमइ ता करयलपरिग्गहियं० सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कहु एवं व०- नमोऽत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं, वंदइ नमसइ ता जेणेव देवच्छंदए० जेणेव सिद्धायतणस्स बहुमज्जदेसभाए तेणेव उवागच्छइ ता लोमहृथगं परामुसइ ता सिद्धायतणस्स बहुमज्जदेसभागं लोमहृथेणं पमजति दिव्वाए दग्धाराए अब्मुकखेइ सरसेणं गोसीसचंदणेणं पंचंगुलितलं मंडलगं आलिहइ ता कयग्गाहग्हिय जाव पुंजोवयारकलियं करेइ ता धूवं दलयइ जेणेव सिद्धायतणस्स दाहिणिल्ले दारे तेणेव उवागच्छति ता लोभहृथगं परामुसइ ता दारचेडीओ य सालभंजियाओ य वालरूवए य लोभहृथेणं पमजइ ता दिव्वाए दग्धाराए अब्मुकखेइ ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं चच्चए दलयइ ता पुफ्फारुहणं जाव आभरणारुहणं करेइ ता आसत्तोसत्त जाव धूवं दलयइ ता जेणेव दाहिणिल्ले दारे मुहमंडवे जेणेव दाहिणिल्लस्स मुहमंडवस्स बहुमज्जदेसभाए तेणेव उवागच्छइ ता लोमहृथगं परामुसइ ता बहुमज्जदेसभागं लोमहृथेणं पमजइ ता दिव्वाए दग्धाराए अब्मुकखेइ ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं पंचंगुलितलं मंडलगं आलिहइ ता कयग्गाहग्हिय जाव धूवं दलयइ ता जेणेव दाहिणिल्लस्स मुहमंडवस्स पच्चत्थिमिल्ले दारे तेणेव उवागच्छइ ता लोभहृथगं परामुसइ ता दारचेडीओ य सालिभंजियाओ य वालरूवए य लोमहृथेणं पमजइ ता दिव्वाए दग्धाराए० सरसेणं गोसीसचंदणेणं चच्चए दलयइ ता पुफ्फ रुहणं जाव आभरणारुहणं करेइ ता आसत्तोसत्त० कयग्गाहग्हिय० धूवं दलयइ ता जेणेव दाहिणिल्लमुहमंडवस्स उत्तरिल्ला खंभपंती तेणेव उवागच्छइ ता लोभहृथं परामुसइ ता थंभे य सालिभंजियाओ य वालरूवए य लोमहृथेणं पम० जहा चेव पच्चत्थिमिल्लस्स दारस्स जाव धूवं दलयइ ता जेणेव दाहिणिल्लस्स मुहमंडवस्स पुरच्छिमिल्ले दारे तेणेव उवागच्छइ ता लोमहृथगं परामुसति दारचेडीओ तं चेव सव्वं जेणेव दाहिणिल्ले मुहमंडवस्स दाहिणिल्ले दारे तेणेव उवागच्छइ ता दारचेडीओ य तं चेव सव्वं जेणेव दाहिणिल्ले पेच्छाघरमंडवे दाहिणिल्लस्स पेच्छाघरमंडवस्स बहुमज्जदेसभागे जेणेव वयरामए अक्खाडए जेणेव मणिपेढिया जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ ता लोभहृथगं परामुसइ ता अक्खाडगं च मणिपेढियं च सीहासणं च लोमहृथेणं पमजइ ता दिव्वाए दग्धाराए सरसेणं गोसीसचंदणेणं चच्चए दलयइ पुफ्फारुहणं आसत्तोसत्त जाव धूवं दलेइ ता जेणेव दाहिणिल्लस्स पेच्छाघरमंडवस्स पच्चत्थिमिल्ले दारे तं चेव उत्तरिल्ले दारे तं चेव पुरच्छिमिल्ले दारे तं चेव दाहिणे दारे तं चेव, जेणेव दाहिणिल्ले चेइयथूभे तेणेव उवागच्छइ ता थूभं मणिपेढियं च दिव्वाए दग्धाराण अब्मुकखेइ सरसेण गोसीस० चच्चए दलेइ ता पुफ्फारुहणं आसत्तो जाव धूवं दलेइ जेरेव पच्चत्थिमिल्ला मणिपेढिया जेणेव पच्चत्थिमिला जिणपडिमा तं चेव, जेणेव उत्तरिल्ला जिणपडिमा तं चेव सव्वं (१४७) जेणेव पुरच्छिमिल्ला मणिपेढिया जेणेव पुरच्छिमिल्ला जिणपडिमा तेणेव उवागच्छइ तं चेव, दाहिणिल्ला मणिपेढिया दाहिणिल्ला जिणपडिमा तं चेव, जेणेव दाहिणिल्ले चेइयरुकखे तेणेव उवागच्छइ ता तं चेव, जेणेव दाहिणिल्लए महिंदज्ज्ञए जेणेव दाहिणिल्ला पंदापुक्खरिणी तेणेव उवागच्छति लोमहृथगं परामुसति तोरणे य तिसोवाणपडिरूवए सालिभं जियाओ य वालरूवए य लोमहृथेणं पमजइ दिव्वाए दग्धाराए० सरसेणं गोसीचंदणेणं० पुफ्फ रुहणं० आसत्तोसत्त० धूवं दलयति, सिद्धाययं

अणुपयाहिणीकरेमाणे जेणेव उत्तरिल्ला पांदापुक्खरिणी तेणेव उवागच्छति ता तं चेव, जेणेव उत्तरिल्ले महिंदज्ज्ञए तेणेव उवागच्छइ तं चेव जाव जेणेव उत्तरिल्ले चेइयरुक्खे तेणेव उवागच्छति जेणेव उत्तरिल्ले चेइयथूमे तहेव, जेणेव पच्चत्थिमिल्ला पेढिया पच्चत्थिमिल्ला जिणपडिमा तं चेव, उत्तरिल्ले पेच्छाघरमंडवे तेणेव उवागच्छति ता जा चेव दाहिणिल्लवत्तव्या सा चेव सब्बा पुरच्छिमिल्ले दारे दाहिणिल्ला खंभपंती तं चेव सब्ब, जेणेव उत्तरिल्ले मुहमंडवे जेणेव उत्तरिल्लस्स मुहमंडवस्स बहुमज्ज्ञदेसभाए तं चेव सब्ब, पच्चत्थिमिल्ले दारे तेणेव० उत्तरिल्ले दारे दाहिणिल्ला खंभपंती सेसं तं चेव सब्ब, जेणेव सिद्धायतणस्स उत्तरिल्ले दारे तं चेव, जेणेव सिद्धायतणस्स पच्चत्थिमिल्ले दारे तेणेव उवागच्छइ ता तं चेव जेणेव पुरच्छिमिल्ले मुहमंडवे जेणेव पुरच्छिमिल्लस्स मुहमंडवस्स बहुमज्ज्ञदेसभाए तेणेव उवागच्छइ ता तं चेव, पुरच्छिमिल्ले दारे तं चेव, जेणेव पुरच्छिमिल्ले पेच्छाघरमंडवे एवं थूमे जिणपडिमाओ चेइयरुक्खा महिंदज्ज्ञया पांदा पुक्खरिणी तं चेव जाव धूवं दलइ ता जेणेव सभा सुहम्मा तेणेव उवागच्छति ता सभं सुहम्मं पुरच्छिमिल्लेण दारेण अणुपविसइ ता जेणेव माणवए चेइयखंभे जेणेव वझरामए गोलवट्टसमुग्गे तेणेव उवागच्छइ ता लोमहत्थं परामुसइ ता वझरामए गोलवट्टसमुग्गए लोमहत्थेण पमजइ ता वझरामए गोलवट्टसमुग्गए विहाडेइ ता जिणसगहाओ लोभहत्थेण पमजइ ता सुरभिणा गंधोदणेण पक्खालेइ ता अग्गेहिं वरेहिं गंधेहि य मल्लेहि य अच्वेइ धूवं दलयइ ता जिणसकहाओ वझरामएसु गोलवट्टसमुग्गएसु पडिनिकिखवइ माणवं चेइयखंभं लोमहत्थएण पमजइ दिव्वाए दग्धाराए सरसेण गोसीसचंदणेण चच्वए दलयइ पुप्फारुहणं जाव धूवं दलयइ, जेणेव सीहासणे तं चेव, जेणेव देवसयणिजे तं चेव, जेणेव खुद्डागमहिंदज्ज्ञए तं चेव, जेणेव पहरणकोसेचोप्पालए तेणेव उवागच्छइ ता लोमहत्थं परामुसइ ता पहरणकोसं चोप्पालं लोमहत्थएण पमजइ ता दिव्वाए दग्धाराए सरसेण गोसीसचंदणेण चच्वा दलेइ पुप्फारुहणं० आसत्तोसत्त जाव धूवं दलयइ, जेणेव सभाए सुहम्माए बहुमज्ज्ञदेसभाए जेणेव मणिपेढिया जेणेव देवसयणिजे तेरेव उवागच्छइ ता लोभहत्थं परामुसइ देवसयणिजं च मणिपेढियं च लोमहत्थएण पमजइ जाव धूवं दलयइ ता जेणेव उववायसभाए दाहिणिल्ले दारे तहेव अभिसेयसभासरिसं जाव पुरच्छिमिल्ला पांदा पुक्खरिणी जेणेव हरए तेणेव उवागच्छइ ता तोरणे य तिसोवाणे य सालिभंजियाओ य वालरुवेए य तहेव, जेणेव, अभिसेयसभा तेणेव उवागच्छइ ता तहेव सीहासणं च मणिपेढियं च सेसं तहेव आययणसरिसं जाव पुरच्छिमिल्ला पांदा पुक्खरिणी जेणेव अलंकारियसभा तेणेव उवागच्छइ ता जहा अभिसेयसभा तहेव सब्बं जेणेव ववसायसभा तेणेव उवाऽ ता तहेव लोमहत्थं परामुसति पोत्थयरयणं लोमहत्थएण पमजइ ता दिव्वाए दग्धाराए अग्गेहिं वरेहिं य गंधेहिं मल्लेहि य अच्वेति ता मणिपेढियं सीहासणं च सेसं तं चेव, पुरच्छिमिल्ला नंदा पुक्खरिणी जेणेव हरए तेणेव उवागच्छइ ता तोरणे य तिसोवाणे य सालिभंजियाओ य वालंरुवेए तहेव जेणेव बलिपीढं तेणेव उवागच्छइ ता बलिविसज्जणं करेइ आभिओगिए देवे सद्वावेइ ता एवं व०- खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सूरियाभे विमाणे सिंघाडएसु तिएसु चउक्केसु चच्वरेसु चउम्मुहेसु महापहेसु पागारेसु अद्वालएसु चरियासु दारेसु गोपुरेसु तोरणेसु आरामेसु उज्जाणेसु वणेसु वणराईसु काणणेसु वणसंडेसु अच्वणियं करह ता मम एयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणह, तए णं ते आभिओगिया देवा सूरियाभेण देवेण एवं वुत्ता समाणा जाव पडिसुणिता सूरियाभे विमाणे सिंघाडएसु जाव अच्वणियं करेन्ति ता जेणेव सूरियाभे देवे जाव पच्चप्पिणंति, तते णं से सूरियाभे देवे जेणेव नंदा पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ ता नंदापुक्खरिणं पुरच्छिमिल्लेण तिसोवाणपडिरुवएणं पच्चोरुहति ता हृत्थपाए पक्खालेइ ता पांदाओ पुक्खरिणीओ पच्चुत्तरइ जेणेव सभा सुधम्मा तेणेव पहरित्थ गमणाए, तए णं से सूरियाभे देवे चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अन्वेहिं य बहूहिं सूरियाभविमाणवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहि देवीहिय सद्बिं संपरिवुडे सव्विहीए जाव नाइयरवेण जेणेव सभा सुहम्मा तेणेव उवागच्छइ ता सभं सुधम्मं पुरच्छिमिल्लेण दारेण अणुपविसति ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ ता सीहासणवरगए पुरस्थाभिमुहे सणिसणे ।४४। तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स अवरुत्तरेण उत्तरपुरच्छिमेण दिसिभाएणं चत्तारि य सामाणियसाहस्सीओ चउसु भद्रासणसाहस्सीसु निसीयंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स पुरच्छिमिल्लेण

चત્તારિ અગ્નમહિસીઓ ચતુસુ ભદ્રાસણેસુ નિસીયંતિ, તએ ણં તસ્સ સૂરિયાભસ્સ દેવસ્સ દાહિણપુરત્થિમેણ અબ્ધતરિયપરિસાએ અદૃ દેવસાહસ્સીઓ અદૃસુ ભદ્રાસણસાહસ્સીસુ નિસીયંતિ, તએ ણં તસ્સ સૂરિયાભસ્સ દેવસ્સ દાહિણપચ્છત્થિમેણ બાહિરિયાએ પરિસાએ દસ દેવસાહસ્સીઓ દસસુ ભદ્રાસણસાહસ્સીસુ નિસીયંતિ, તએ ણં તસ્સ સૂરિયાભસ્સ દેવસ્સ પચ્છત્થિમેણ સત્ત અણિયાહિવિઝો સત્તહિં(સુ)ભદ્રાસણેહિં(સુ)ણિસીયંતિ, તએ ણં તસ્સ સૂરિયાભસ્સ દેવસ્સ ચઉદ્ધિસિં સોલસ આયરક્ખદેવસાહસ્સીઓ સોલસહિં ભદ્રાસણસાહસ્સીહિં ણિસીયંતિ, તં૦- પુરચ્છિમિલ્લેણં ચત્તારિ સાહસ્સીઓ દાહણેણંચત્તારી સાહસ્સીઓ પચ્છત્થિમેણ ચત્તારિ સાહસ્સીઓ ઉત્તરેણં ચત્તારિ સાહસ્સીઓ, તે ણં આયરક્ખા સન્નબ્દ્બવિભ્રમિયકવયા ઉપ્પીલિયસરાસણપદ્ધિયા પિણબ્દુગેવિજા બબ્દાવિબ્ધવિમલવરચિંધપદ્ધા ગહિયાઉફ્પહરણા તિણિયાણિ તિસંધિયાઇં વયરામયાઇં કોડીણિ ધણૂં પગિજ્જ પડિયાઇયકંડકલાવા પીલપાળણિઓ પીતપાળણિઓ રત્તપાળણિઓ ચમ્મપાળણિઓ દંડપાળણિઓ ખુગ્ગપાળણિઓ પાસપાળણિઓ નીલપીયરત્તચાવચારુચ્મદંખુગ્ગપાસધરા આયરક્ખા રક્ખોવગયા ગુત્તા ગુત્તપાલિયા જુત્તા જુત્તપાલિયા પત્તેયં ૨ સમયઓ વિણયાઓ કિંકરભૂયા ચિદ્ધંતિ ।૪૫ | સૂરિયાભસ્સ ણં ભંતે ! દેવસ્સ કેવિઝયં કાલં ઠિતી પં૦ ?, ગોયમા ! ચત્તારિ પલિઓવમાઇં ઠિતી પં૦, સૂરિયાભસ્સ ણં ભંતે ! દેવસ્સ સામાણિયપરિસોવવણણગાણં દેવાણં કેવિઝયં કાલં ઠિતી પં૦, ગોયમા ! ચત્તારિ પલિઓવમાઇં ઠિતી પં૦, મહિદીએ- મહજુતી(તી)એ મહબ્બલે મહાસયે મહાસોક્ખે મહાણુભાગે સૂરિયાભે દેવે, અહો ણં ભંતે ! સૂરિયાભે દેવે મહિદીએ જાવ મહાણુભાગે ।૪૬ | સૂરિયાભેણં ભંતે ! દેવેણં સા દિવ્વા દેવિહૃણી સા દિવ્વા દેવજુરૂણ સે દિવ્વે દેવાણુભાગે કિણા લબ્દે કિણા પત્તે કિણા અભિસમન્નાગએ પુબ્વભવે કે આસી પુબ્વભવે કે આસી કિંનામએ વા કોવા ગુત્તેણં કયરંસિ વા ગામંસિ વા જાવ સંનિવેસંસિ વા કિં વા દચ્ચા કિં વા ભોચ્ચા કિં વા કિચ્ચા કિં વા સમાયરિતા કસ્સ વા તહારુખસ્સ સમણસ્સ વા માહણસ્સ વા અંતિએ એગમવિ આરિયં ધમ્મિયં સુવયણં સુચ્ચા નિસમ્મ જણણં સૂરિયાભેણં દેવેણં સા દિવ્વા દેવિહૃણી જાવ દેવાણુભાગે લબ્દે પત્તે અભિસમન્નાગએ ।૪૭ | ગોયમાઈ ! સમણે ભગવં મહાવીરે ભગવં ગોયમં આમંતેત્તા એવં વ૦- એવં ખલુ ગોયમા ! તેણં કાલેણીં ઇહેવ જંબુદીવે ભારહે વાસે કેયઇઅબ્દે નામે જણવએ હોત્થા રિબ્દત્થિમિયસમિદ્ધે, તત્થ ણં કેયઇઅબ્દે જણવએ સેયવિયા ણામં નગરી હોત્થા રિબ્દત્થિમિયસમિદ્ધા જાવ પડિરૂવા, તીસે ણં સેયવિયાએ નગરીએ બહિયા ઉત્તરપુરચ્છિમે દિસીભાગે એથ્ય ણં મિગવણે ણામં ઉજ્જાણે હોત્થા રમ્મે નંદણવણપ્પગસે સંવોયફલસમિદ્ધે સુભસુરભિસીયલાએ છાયાએ સંબ્વાદે પાસાદીએ જાવ પડિરૂવે, તત્થ ણં સેયવિયાએ ણગરીએ પએસી ણામં રાયા હોત્થા મહયાહિમવંત જાવ વિહરઇ અધમીમાએ અધમીમિદ્ધે અધમ્મકર્ખાઈ અધમ્માણુએ અધમ્મપલોઈ અધમ્મપણ(લજ્જ)ણે અધમ્મસીલસમુયાયારે અધમ્મેણ ચેવ વિચ્ચિ કષ્પેમાણે હણછિંદભિંદાપવત્તએ ચંડે રૂદે ખુદે લોહિયપાળી સાહસિએ ઉક્કંચણવંચણમાયાનિયડિકૂડ કવડસાયિસંપાંગબહુલે નિસ્સીલે નિવ્વએ નિગુણે નિમ્મેરે નિપ્પચ્ચક્ખવાણપોસહોવવાસે બહૂણં દુપયચઉપ્પયમિયપસુક્ખીસરિસવાણ ઘાયાએ વહાએ ઉચ્છેણયાએ અધમ્મકેઝ સમુદ્ધિએ ગુરુણં ણો અબ્ધુદ્ધેતિ ણો વિણયં પઉંજિ સમણી (માહણભિક્ખુગાણં) સયસ્સવિ ય ણં જણવયસ્સ ણો સમ્મં કરભરવિચ્ચિ પવત્તેઝ ।૪૮ | તસ્સ ણં પએસિસ્સ રન્નો સૂરિયકંતા નામ દેવી હોત્થા સુકુમાલપાળિપાયા ધારિણીવણાઓ પએસિણા રન્ના સંદ્ધિં અણુરત્તા અવિરત્તા ઇદ્દે સંદ્ધે રૂવે જાવ વિહરઇ ।૪૯ | તસ્સ ણં પએસિસ્સ રણ્ણો જેદ્દે પુત્તે સૂરિયકંતાએ દેવીએ અત્તે સૂરિયકંતે નામ કુમારે હોત્થા સુકુમાલપાળિપાએ જાવ પડિરૂવે, સે ણં સૂરિયકંતે કુમારે જુવરાયા યાવિ હોત્થા, પએસિસ્સ રન્નો રજં ચ રદું ચ બલં ચ વાહણં ચ કોસં ચ કોડ્ગારં ચ પુરં ચ અંતેઊરં ચ જણવયં ચ સયમેવ પચ્છુવેક્ખમાણે વિહરઇ ।૫૦ | તસ્સ ણં પએસિસ્સ રણ્ણો જેદ્દે ભાઉયવયંસએ ચિત્તે ણામં સારહી હોત્થા અદૃ જાવ બહુજણસ્સ અપરિભૂએ સામદંડભેયઉવપ્પયાણઅત્થસત્થઈહામઝિવિસારએ ઉપ્પત્તિયાએ વેણિયાએ કમ્મયાએ પારિણામિયાએ ચઉબ્બિહાએ બુદ્ધીએ ઉવવેએ પએસિસ્સ રણ્ણો બહૂસુ કજેસુ ય કારણેસુ ય કુદુંવેસુ ય મંતેસુ ય ગુજ્જેસુ ય રહસ્સેસુ ય વવહારેસુ ય નિચ્છાએસુ ય આપુચ્છણિજે મેઢી પમાણં આહારે આલંબણં ચક્ખુ મેઢિભૂએ પમાણભૂએ આહારભૂએ આલંબણભૂણ સંવદ્ધાણસંવભૂમિયાસુ લબ્દપચ્ચાવિદિણવિચારે રજધુરાચિંતએ આવિ હોત્થા ।૫૧ | તેણં કાલેણીં કુણાલા નામ જણવએ હોત્થા રિબ્દત્થિમિયસમિદ્ધે,

















धणुणा नवियाए जीवाए नवएणं इसुणा पभू पंचकंडगं निसिरित्तए ?, हंता पभू, सो चेव णं पुरिसे तरूणे जाव निउणसिप्पोवगते कोरिल्लएणं धणुणा कोरिल्लयाए जीवाए कोरिल्लएणं उसुणा पभू पंचकंडगं निसिरित्तए ?, णो तिणद्वे समद्वे, कम्हा णं ?, भंते ! तस्स पुरिसस्स अपज्जत्ताइं उवगरणाइं खंवंति, एवामेव पएसी ! सो चेव पुरिसे बाले जाव मंदविन्नाणे अपज्जत्तोवगरणे णो पभू पंचकंडयं निसिरित्तए तं सद्वहाहि णं तुमं पएसी ! जहा अन्नो जीवो तं चेव ५।६८। तए णं पएसी राया केसीकुमारसमणं एवं व०-अत्थि णं भंते ! एस पणा उवमाऽ इमेणं पुण कारणेणं नो उवागच्छइ अत्थि णं भंते ! से जहाणामए केर्ड पुरिसे तरूणे जाव सिप्पोवगते पभू एगं महं अयभारगं वा तउयभारगं वा सीसगभारगं वा परिवहित्तए ?, हंता पभू, सो चेव णं भंते ! पुरिसे जुन्ने जराजज्जरियदेहे सिद्धिलवलिंतयाविणद्वगते दंडपरिणगहियगहत्थे पविरलपरिसदियदंतसेढी आउरे किसिए पिवासिए दुब्बले किलंते नो पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए, जति णं भंते ! सच्चेव पुरिसे जुन्ने जराजज्जरियदेहे जाव परिकिलंते पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए तो णं सद्वहेज्जाऽ तहेव जम्हा णं भंते ! से चेव पुरिसे जुन्ने जाव किलंते नो पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए तम्हा सुपतिद्विता मे पण्णा० तहेव, तए णं केसीकुमारसमणे पएसिं रायं एवं व०-से जहाणामए केर्ड पुरिसे तरूणे जाव सिप्पोवगए णवियाए विहंगियाए णवएहिं सिक्कएहिं णवएहिं पच्छियपिडएहिं पहू एगं महं अयभारं जाव परिवहित्तए ?, हंता पभू, पएसी ! से चेव णं पुरिसे तरूणे जाव सिप्पोवगए जुन्नियाए दुब्भलियाए घुणकखइयाए विहंगियाए जुण्णएहिं दुब्बलएहिं घुणकखइएहिं सिद्धिलतयापिणद्वएहिं सिक्कएहिं (१४९) जुण्णएहिं दुब्बलिएहिं घुणखइएहिं पच्छिपिडएहिं पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए ?, णो तिण०, कम्हा णं ?. भंते ! तस्स पुरिसस्स जुन्नाइं उवगरणाइं खंवंति, पएसी ! से चेव से पुरिसे जुन्ने जाव किलंते जुन्नोवगरणे नो पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए तं सद्वहाहि णं तुमं पएसी ! जहा अन्नो जीवो अन्नं सरीरं ६।६९। तए णं से पएसी केसिकुमारसमणं एवं व०-अत्थि णं भंते ! जाव नो उवागच्छइ एवं खलु भंते ! जाव विहरामि तए णं मम णगरगुत्तिया चोरं उवणेंति तए णं अहं तं पुस्सिं जीवंतं चेव तुलेमि तुलेता छविच्छेयं अकुब्बमाणे जीवियाओ ववरोवेमि ता मयं तुलेमि णो चेव णं तस्स पुरिसस्स जीवंतस्स वा तुलियस्स मुयस्स वा तुलियस्स केर्ड आणते वा नाणते वा ओमते वा तुच्छते वा गर्ख्यते वा लहुयते वा, जति णं भंते ! तस्स पुरिसस्स जीवंतस्स वा तुलियस्स मुयस्स वा तुलियस्स केर्ड अन्नते वा जाव लहुयते वा तो णं अहं सद्वहेज्जा तं चेव, जम्हा णं भंते ! तस्स पुरिसस्स जीवंतस्स वा तुलियस्स मुयस्स वा तुलियस्स नत्थि केर्ड अन्नते वा० लहुयते वा तम्हा सुपतिद्विया मे पन्ना जहा तंजीवो तंचेव, तए णं केसीकुमारसमणे पएसिं रायं एवं व०-अत्थि णं पएसी ! तुमे कयाई वथी धंतपुव्वे वा धमावियपुव्वे वा ?, हंता अत्थि, अत्थि णं पएसी ! तस्स वथिस्स पुण्णस्स वा तुलियस्स अपुण्णस्स वा तुलियस्स केर्ड आणते वा जाव लहुयते वा ?, णो तिणद्वे समद्वे, एवामेव पएसी ! जीवस्स अगुरुलहुयत्तं पहुच्च जीवंतस्स वा तुलियस्स मुयस्स वा तुलियस्स नत्थि केर्ड आणते वा जाव लहुयते वा, तं सद्वहाहि णं तुमं पएसी ! तं चेव ७।७०। तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं व०-अत्थि णं भंते ! एसा जाव नो उवागच्छइ, एवं खलु भंते ! अहं अन्नया जाव चोरं उवणेंति तए णं अहं तं पुरिसं सब्बतो समंता समभिलोएमि नो चेव णं तत्थ जीवं पासामि एवं तिहा चउहा संखेजफालियं करेमि णो चेव णं तत्थ जीवं पासामि, जइ णं भंते ! अहं तं पुरिसं दुहा वा तिहा वा चउहा वा संखेजहा वा फालियंमि वा जीवं पासंतो तो णं अहं सद्वहेज्जा नो तं चेव, जम्हा णं भंते ! अहं तंसि दुहा वा तिहा वा चउहा वा संखेजहा वा फालियंमि जीवं न पासामि तम्हा सुपतिद्विया मे पणा जहा तंजीवो तंसरीरं तं चेव, तए णं केसिकुमारसमणे पएसिं रायं एवं व-मूढतराए णं तुमं पएसी ! ताओ तुच्छतराओ, के णं भंते ! तुच्छतराए ?, पएसी ! से जहाणामए केर्ड पुरिसे वणत्थी वणोवजीवी वणगवेसणयाए जोइं च जोइभायणं च गहाय कट्टाणं अडविं अणुपविट्टा, तए णं ते पुरिसा तीसे अगामियाए जाव किचिदेसं अणुपत्ता समाणा एगं पुरिसं एवं व०-अम्हे णं देवाणुप्पिया ! कट्टाणं अडविं पविसामो एत्तो णं तुमं जोइभायणाओ जोइं गहाय अम्ह असण० साहेजासि अह तंमि जोइभायणे जोई विज्ञवेजा तो णं तुमं कट्टाओ जोइं गहाय अम्हं असण० साहेजासितिकट्टु कट्टाणं अडविं अणुपविट्टु तए णं से पुरिसे तओ मुहुत्तन्तरस्स तेसिं पुरिसाणं असण० साहेमितिकट्टु



यं तुमं पएसी अववहारी । ७२। तए यं पएसी ! राया केसिकुमारसमणं एवं व०-तुज्ज्वे यं भंते ! इयच्छेया दक्खिया जाव उवएसलद्वा समत्था यं भंते ! ममं करयलंसि वा आमलयं जीवं सरीराओ अभिनिव्वट्टिताणं उवदंसित्तए ?, तेण कालेण० पएसिस्स रण्णो अदूरसामंते वाउयाए संवुते तणवणस्सइकाए एयइ वेयइ चलइ फंदइ घट्टइ उदीरइ तं तं भावं परिणमइ, तए यं केसीकुमारसमणे पएसिरायं एवं व०-पाससि यं तुमं पएसी ! एयं तणवणस्सइकायं एयंतं जाव तं तं भावं परिणमंत ?, हंता पासामि, जाणासि यं तुमं पएसी ! एयं तणवणस्सइकायं किं देवो चालेइ असुरो० णागो वाऽ किन्नरो वा चालेइ किंपुरिसो वा चालेइ महोरगो वा चालेइ गंधब्बो वा चालेइ ?, हंता जाणामि, णो देवो चालेइ जाव णो गंधब्बो चालेइ वाउयाए चालेइ, पाससि यं तुमं पएसी ! एतस्स वाउकायस्स सखविस्स सकामस्स सरागस्स समोहस्स सवेयस्स सलेसस्स ससरीरस्स रूवं ?, णो तिणट्ट०, जइ यं तुमं पएसी राया ! एयस्स वाउकायस्स सखविस्स जाव ससरीरस्स रूवं न पाससि तं कहं यं पएसी ! तव करयलंसि वा आमलगं जीवं उवदंसिस्सामि ?, एवं खलु पएसी ! दस ठाणाइं छउतमत्थे मणुस्से सव्वभावेण न जाणइ न पासइ, तं०-धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवं असरीरपडिब्बं परमाणुपोग्गलं सद्वं गंधं वायं अयं जिणे भविस्सइ वा णो भविस्सइ अयं सव्वदुक्खाणं अंतं करेस्सइ वा नो वा, एताणि चेव उप्पन्नाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली सव्वभावेण जाणइ पासइ, तं०-धम्मत्थिकायं जाव नो वा करिस्सइ, तं सद्वहाहि यं तुमं पएसी ! जहा अन्नो जीवो तं चेव ९ । ७३। तए यं से पएसीराया केसिं कुमारसमणं एवं व०-से नूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे ?, हंता पएसी ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे, से णूणं भंते ! हत्थीउ कुंथू अप्पकम्मतराए चेव अप्पाकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव एवं आहारनीहारउस्सासनीसासइडीपहावजुई अप्पतराए चेव, एवं च कुंथूओ हत्थी महाकम्मतराए चेव महाकिरिय जाव ?, हंता पएसी ! हत्थीओ कुंथू अप्पकम्मतराए चेव कुंथूओ वा हत्थी महाकम्मतराए चेव तं चेव, कम्हा यं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे ?, पएसी ! से जहाणामए कूडागारसाला सिया जाव गंभीरा अह यं केई पुरिसे जोइं व दीवं व गहाय तं कूडागारसालं अंतो० २ अणुपिस्सइ तीसे कूडागारसालाए सव्वतो समंता घणनिचियनिरंतराणि णिच्छिडाइं दुवारवयणाइं पिहेति ता तीसे कूडागारसालाए बहुमज्जदेसभाए तं पर्विं पलीवेजा तए यं से पर्विं तं कूडागारसालं अंतो ओभासइ उज्जोवेइ तवति पभासेइ, णो चेव यं बाहिं, अह यं से पुरिसे तं पर्विं इडरएणं पिहेज्जा तए यं से पर्विं तं इडरयं अंतो ओभासेइ णो चेव यं इडरगस्स बाहिं णो चेव यं कूडागारसालाए बाहिं, एवं किलिजेणं गंडमाणियाए पच्छिपिडणं आढतेणं अद्वाढतेणं पत्थएणं अद्वपत्थएणं अद्वभाइयाए चाउब्भाइयाए सोलसियाए छत्तीसियाए चउसद्वियाए दीवचंपएणं तए यं से पदीवे दीवचंपगस्स अंतो ओभासति० नो चेव यं दीवचंपगस्स बाहिं नो चेव यं चउसद्वियाए बाहिं णो चेव यं कूडागारसालं णो चेव णो कूडागारसालाए बाहिं, एवामेव पएसी ! जीवेऽवि जं जारिसयं पुव्वकम्मनिब्बं बोंदि णिव्वत्तेइ तं असंखेजेहिं जीवपदेसेहिं सच्चित्तं करेइ खुडिडयं वा महालियं वा तं सद्वहाहि यं तुमं पएसी ! जहा तं चेव १० । ७४। तए यं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं व०-एवं खलु भंते ! मम अज्जगस्स एस सन्ना जाव समोसरणे जहा तज्जीवो तंसरीरं नो अन्नो जीवो अन्नं सरीरं तयाणंतरं च यं ममं पिउणोऽवि एस सण्णा तयाणंतरं ममवि एसा सण्णा जाव समोसरणं तं नो खलु अहं बहुपुरिसपरंपरागयं कुलनिस्सियं दिद्विं छंडेस्सामि, तए यं केसीकुमारसमणे पएसिरायं एवं व०-मा यं तुमं पएसी ! पच्छाणुताविए भवेज्जासि जहा व से पुरिसे अयहारए, के यं भंते ! से अयहारए ?, पएसी ! से जहाणामए केई पुरिसा अत्थत्थी अत्थगवेसी अत्थलुद्धगा अत्थकंखिया अत्थपिवासिया अत्थगवेसणयाए विउलं पणियंभंडमायाए सुबहुं भत्तपाणपत्थयणं गहाय एगं महं अकामियं छिन्नावायं दीहमब्बं अडविं अणुपविट्टा, तए यं ते पुरिसा तीसे अकामियाए अडवीए कंचि देसं अणुपत्ता समाणा एगं महं अयागरं पासंति, अएणं सव्वतो समंता आइणं विच्छिणं संथडं उवत्थडं फुडं गाढं अवगाढं पासति ता हट्टुतुदुजावहियया अन्नमन्नं सद्वावेति ता एवं व०-एस यं देवाणुप्पिया ! अयभंडे इट्टे कंते जाव मणामे, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं अयभारह बंधित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्टं पडिसुणेंति ता अयभारं बंधित्ति ता अहाणुपुव्वीए संपत्थिया, तए यं ते पुरिसा अकामियाए जाव अडवीए किंचिदेस अणुपत्ता समाणा एगं महं तउआगरं पासंति तउएणं आइणं तं चेव जाव सद्वावेता एवं व०-एस यं देवाणुप्पिया ! तउयभंडे जाव मणामे अप्पेणं चेव तउएणं सुबहुं अए लब्धति तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अयभारए छडेत्ता तउयभारए बंधित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतिए एयमट्टं पडिसुणेंति ता

अयभारं छड्डेंति ता तउयभारं बंधति, तस्थं एगे पुरिसे णो संचाएङ्ग अयभारं छड्डेत्तए तउयभारं बंधित्तए, तए णं ते पुरिसा तं पुरिसं एवं व०-एस णं देवाणुप्पिया ! तउयभंडे जाव सुबहुं अए लब्भति तं छड्डेहिं णं देवाणुप्पिया ! अयभारं तउयभारं बंधाहि, तए णं से पुरिसे एवं व०-दूराहडे मे देवा० ! अए चिराहडे मे देवा० ! अए अझगाढबंधणबछ्वे मे देवाणु० ! अए असिलिद्वुबंधणबछ्वे देवा० ! अए धणियबंधणबछ्वे देवा० ! अए णो संचाएमि अयभारं छड्डेत्ता तउयभारं बंधित्तए, तए णं ते पुरिसा तं पुरिसं जाहे णो संचायंति बहूहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य आघवित्तए वा पण्णवित्तए वा तया अहाणुपुव्वीए संपत्थिया, एवं तंबागरं रूप्पागरं सुवन्नागरं रथणागरं वड्हरागरं, तए णं ते पुरिसा जेणेव सया जणवया जेणेव साइं नगराइं तेणेव उवागच्छन्ति ता वयरणिक्षणयं करेंति ता सुबहुदासीदासगोमहिसगवेलगं गिणहंति ता अट्टतलमूसियपासायवडंसगे कारावेंति णहाया कयबलिकम्मा उप्पिं पासायवरगया फुड्हमाणेहिं मुइं गमत्थएहिं बत्तीसइबद्धएहिं नाडएहिं वरतरुणीसंपउत्तेहिं उवणच्चिजमाणा उवगिज्जमाणा उवलालिज्जमाणा इट्टे सद्वफरिस जाव विहरंति, तए णं से पुरिसे अयभारेण जेणेव सए नगरे तेणेव उवागच्छइ अयभारं गहाय अयविक्षिणयं करेति ता तंसि अप्पमोल्लंसि निद्वियंसि झीणपरिव्वए ते पुरिसे उप्पिं पासायवरगए जाव विहरमाणे पासति ता एवं व०-अहो णं अहं अधन्नो अपुन्नो अकयत्थो अकलयकख्वो हिरिसिरिवज्जिए हीणपुण्णचाउद्दसे दुरंतपंतलकख्वो, जति णं अहं मित्ताण वा णाईण वा नियगाण वा सुणंतओ तो णं अहंपि एवं चेव उप्पिं पासायवरगए जाव विहरंतो, से तेणद्वेणं पएसी ! एवं बुच्छइ-मा णं तुमं पएसी ! पच्छाणुताविए भविज्जासि जहा व से पुरिसे अयभारिए ११।७५। एथं णं से पएसी राया संबुद्धे केसिकुमारसमणं वंदइ जाव एवं व०-णो खलु भंते ! अहं पच्छाणुताविए भविस्सामि जहा व पुरिसे अयभारिए तं इच्छामि णं देवाणुप्पियाणं अंतिए केवलिपन्नतं धम्मं निसामित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंध०, धम्मकहा जाव चित्तस्स तहेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ ता जेणेव सेयविया नगरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ७६। तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं व०-जाणासि तुमं पएसी ! कई आयारिया पं० ?, हंता जाणामि, तओ आयारिआ पं० तं०-कलायरिए सिप्पायरिए धम्मायरिए, जाणासि णं तुमं पएसी ! तेसिं तिणं आयरियाणं कस्स का विणयपडिवत्ती पउंजियव्वा ?, हंता जाणामि, कलायरियस्स सिप्पायरियस्स उवलेवणं संमज्जणं वा करेज्जा पुरओ पुप्फाणि वा आणवेज्जा मज्जावेज्जा मंडावेज्जा भोयाविज्जा वा विउलं जीवितारिहं पीइदाणं दलएज्जा पुत्ताणुपुत्तियं वित्तिं कप्पेज्जा, जत्थेव धम्मायरियं पासिज्जा तथेव वंदेज्जा णमंसेज्जा सक्कारेज्जा सम्माणेज्जा कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पञ्जुवासेज्जा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेज्जा पाडिहारिएणं पीढफलगसिज्जासंथारेणं उवनिमंतेज्जा, एवं च ताव तुमं पएसी ! एवं जाणासि तहावि णं तुमं ममं वामंवामेणं जाव वट्टिता ममं एयमद्वं अकखामित्ता जेणेव सेयविया नगरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं से पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं व०-एवं खलु भंते ! मम एयारूवे अज्जन्त्थिए जाव समुप्पजित्था-एवं खलु अहं देवाणुप्पियाणं वामंवामेणं जाव वट्टिए तं सेयं खलु मे कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जलंते अंतेउरपरियाल सद्धिं संपरिवुद्स्स देवाणुप्पिए वंदित्तए नमंसित्तए एतमद्वं भुज्जो २ सम्मं विणएणं खामित्तएत्तिकट्टु जामेव दिसिं पाउब्भूते तामेव दिसिं पडिगए, तए णं से पएसी राया कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जलंते हृष्टुद्वुजावहियए जहेव कूणिए तहेव निगच्छइ अंतेउरपरियाल सद्धिं संपरिवुडे पंचविहेणं अभिगमेणं वंदइ नमंसइ एयमद्वं भुज्जो २ सम्मं विणएणं खामेइ ७७। तए णं केसीकुमारसमणे पएसिस्स रण्णो सूरियकंतप्पमुहाणं देवीणं तीसे य महतिमहालियाए महच्चपरिसाए जाव धम्मं परिकहेइ, तए णं से पएसी राया धम्मं सोच्चा निसम्म उद्वाए उद्वेति ता केसिकुमारसमणं वंदइ नमंसइ ता जेणेव सेयविया नगरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं केसी कुमारसमणे पएसिरायं एवं व०-मा णं तुमं पएसी ! पुच्चि रमणिज्जे भवित्ता पच्छा अरमणिज्जे भविज्जासि जहा से वणसंडेइ वा णद्वसालाइ वा इक्खुवाडेइ वा खलवाडेइ वा, कहं णं ? भंते !, वणसंडे पत्तिए पुप्फिए फलिए हरियगरेरिज्जमाणे सिरीए अतीव उवसोभेमाणे २ चिद्वइ तया णं वणसंडे रमणिज्जे भवति, जया णं वणसंडे नो पत्तिए नो पुप्फिए नो फलिए नो हरियगरेरेज्जमाणे णो सिरीए अईव उवसोभेमाणे २ चिद्वइ तया णं जुन्ने झडे परिसडियपंदुपत्ते सुक्रुक्खे इव मिलायमाणे चिद्वइ तया णं वणे णो रमणिज्जे भवति, जया णं णद्वसालावि गिज्जइ वाइज्जइ नच्चिज्जइ हसिज्जइ रमिज्जइ तया णं णद्वसाला रमणिज्जा भवइ जया णं नद्वसाला णो गिज्जइ जाव णो रमिज्जइ तया णं णद्वसाला अरमणिज्जा भवति, जया णं इक्खुवाडे छिज्जइ भिज्जइ सिज्जइ पिज्जइ दिज्जइ तया णं

इक्खुवाडे रमणिजे भवइ जया णं इक्खुवाडे णो छिज्जइ जाव तया इक्खुवाडे अरमणिजे भवइ, जया णं खलवाडे उच्छुब्धइ उडुइज्जइ मलइज्जइ पुणिज्जइ खज्जइ पिज्जइ दिज्जइ तया णं खलवाडे रमणिजे भवति जया णं खलवाडे नो उच्छुब्धइ जाव अरमणिजे भवति, से तेणद्वेण पएसी ! एवं वुच्चइ-मा णं तुमं पएसी ! पुव्विं रमणिजे भवित्ता पच्छा अरमणिजे भविज्जासि जहा वणसंडेइ वा०, तए णं पएसी केसिं कुमारसमणं एवं व०-णो खलु भंते ! अहं पुव्विं रमणिजे भवित्ता पच्छा अरमणिजे भविस्सामि जहा वणसंडेइ वा जाव खलवाडेइ वा, अहं णं सेयवियानगरीपमुक्खाइं सत्त गामसहस्राइं चत्तारि भागे करिस्सामि-एगं भागं बलवाहणस्स दलइस्सामि एगं भागं कुट्टागरे छुभिस्सामि एगं भागं अंतेउरस्स दलइस्सामि एगेणं भागेणं महतिमहालियं कूडागारसालं करिस्सामि, तत्थ णं बहूहिं पुरिसेहिं दिन्नभइभत्तवेयणेहिं विउलं असणं० उवक्खडावेत्ता बहूणं समणमाहणभिक्खुयाणं पंथियपहियाणं परिभाएमाणे २ बहूहिं सीलव्ययगुणव्यवेरमणपच्कखाणपोसहोववासेहिं जाव विहरिस्सामित्तिकट्टु जामेव दिसिं पाउब्भौए तामेव दिसिं पडिगए ।७८। तए णं से पएसी राया कल्लं जाव तेयसा जलंते सेयवियापामोक्खाइं सत्त गामसहस्राइं चत्तारि भाए कीरइ, एगं भागं बलवाहणस्स दलइ जाव कूडागारसालं करेइ, तत्थ णं बहूहिं पुरिसेहिं जाव उवक्खडेत्ता बहूणं समण जाव परिभाएमाणे विहरइ ।७९। तए णं से पएसी राया समणोवासए अभिगयजीवाजीवेऽ विहरइ, जप्पभिइं च णं पएसी राया समणोवासए जाए तप्पभिइं च णं रज्जं च रहुं च बलं च वाहणं च कोसं च कोट्टागारं च पुरं च अंतेउरं च जणवयं च अणाढायमाणे यावि विहरति, तए णं तीसे सूरियकंताए देवीए इमेयारूवे अञ्ज्ञत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-जप्पभिइं च णं पएसी राया समणोवासए जाए तप्पभिइं च णं रज्जं च रहुं जाव अंतेउरं च ममं च जणवयं च अणाढायमाणे विहरइ तं सेयं खलु मे पएसिं रायं केणवि सत्थपओणेण वा अग्निपओगेण वा मंतप्पओगेण वा विसप्पओगेण वा उद्वेत्ता सूरियकंतं कुमारं रज्जे ठवित्ता सयमेव रज्जसिरिं कारेमाणीए पालेमाणीए विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ त्ता सूरियकंतं कुमारं सद्वेत्ता एवं व०-जप्पभिइं च णं पएसी राया समणोवासए जाए तप्पभिइं च णं रज्जं च जाव अंतेउरं च ममं च जणवयं च माणुस्सए य कामभोगे अणाढायमाणे विहरइ, तं सेयं खलु तव पुत्ता ! पएसिं रायं केणइ सत्थप्पयोगेण वा जाव उद्वित्ता सयमेव रज्जसिरिं कारेमाणस्स पालेमाणस्स विहरित्तए, तए णं सूरियकंते कुमारे सूरियकंताए देवीए एवं वुत्ते समाणे सूरियकंताए देवीए एयमद्वं णो आढाइ नो परियाणाइ तुसिणीए संचिद्वृङ्, तए णं तीसे सूरियकंताए देवीए इमेयारूवे अञ्ज्ञत्थिए जाव समुप्पज्जित्था मा णं सूरियकंते कुमारे पएसिस्स रन्नो इमं रहस्सभेयं करिस्सइत्तिकट्टु पएसिस्स रण्णो छिद्वाणि य ममाणि य रहस्साणि य विवराणि य अंतराणि य पडिजागरमाणी २ विहरइ, तए णं सूरियकंता देवी अन्नया कयाई पएसिस्स रण्णो अंतरं जाणइ असणे जाव साइमे सव्ववत्थगंधमल्लालंकारे विसप्पजोगं पउंजइ, पएसिस्स रण्णो एहायस्स जाव पायच्छित्तस्स सुहासणवरगयस्स तं विससंजुत्तं असणं वत्थं जाव अलंकारं निसिरेइ. तए णं तस्स पएसिस्स रण्णो तं विससंजुत्तं असणं० आहारेमाणस्स० सरीरगंमि वेयणा पाउब्भौया उजला विउला पगाढा कक्कसा कडुया चंडा तिब्बा दुक्खा दुग्गा दुरहियासा पित्तजरपरिग्यसरीरे दाहवक्कंतिए यावि विहरइ ।८०। तए णं से पएसी राया सूरियकंताए देवीए अत्ताणं संपलब्धं जाणित्ता सूरियकंताए देवीए मणसावि अप्पदुस्समाणे जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ त्ता पोसहसालं पमजइ त्ता उच्चारपासवणभूमि पडिलेहेइ त्ता दब्भसंथारगं संथरेइ त्ता दब्भसंथारगं दुरुहृइ त्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियंकनिसन्ने करयलपरिग्नहिंयं० सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं व०-नमोऽत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं नमोऽत्थु णं केसिस्स कुमारसमणस्स मम धम्मोवदेसगस्स धम्मायरियस्स वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहगए पासउ मे भगवं तत्थगए इहगयंतिकट्टु वंदइ नमंसइ पुव्विपि णं मए केसिस्स कुमारसमणस्स अंतिए थूलगपाणाइवाए पच्कखाए जाव परिग्नहे तं इयाणिंपिय णं तस्सेव भगवतो अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्कखामि जाव परिग्नहं सव्वं कोहं जाव मिन्छादंसणसल्लं अकरणिजं जोयं पच्कखामि सव्वं असणं० चउव्विहंपि आहारं जावजीवाए पच्कखामि जंपिय मे इमं इद्वं जाव फुसंतुतिकट्टु एयंपिय णं चरिमेहिं ऊसासनिस्सासेहिं वोसिरामित्तिकट्टु आलोइयपडिकंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सूरियाभे विमाणे उववायसभाए जाव उववणे, तए णं से सूरियाभे देवे अहुणोववन्नाए चेव समाणे पंचविहाए पज्जतीए पज्जतिभावं गच्छति, तं०-आहारपज्जतीए सरीर० इंदिय० आणापाण० भासामणपज्जतीए, तएवं खलु भो ! सूरियाभेणं देवेणं सा दिव्वा देविडी दिव्वा देवजुत्ती दिव्वे देवाणुभावे लद्वे पत्ते

अभिसमन्नागए ।८१। सूरियाभस्स ण भंते ! देवस्स केवतियं कालं ठिती पं० ? , गोयमा ! चत्तारि पलिओवमाइं ठिती पं० , से ण सूरियाभे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खणेणं भवक्खणेणं ठिइक्खणेणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिति कहिं उववज्जिहिति ? , गोयमा ! महाविदेहे वासे जाणि इमाणि कुलाणि भवंति, तं०- अइढाइं दित्ताइं विउलाइं विच्छिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइणाइं बहुधणबहुजातरूवरययाइं आओगपओगसंपउत्ताइं विच्छडिपउरभत्तपाणाइं बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूयाइं बहुजनस्स अपरिभूताइं तथ अन्नयरेसु कुलेसु पुत्तत्ताए पच्चाइस्सइ, तए ण तंसि दारगंसि गब्भगयंसि चेव समाणंसि अम्मापिऊणं धम्मे दढा पइण्णा भविस्सइ तए ण तस्स दारयस्स० नवणहं मासाणं बहुपडिपुच्चाणं अद्वद्वमाण राइंदियाणं वितिकंताणं सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुणपंचिदियसरीरं लक्खणवंजणगुणोववेयं माणुम्माणपमाणपडिपुच्चसुजायसव्वंगसुंदरंगं ससिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुख्वं दारयं पयाहिसि, तए ण तस्स दारगस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे ठितिवडियं करेहिति ततियदिवसे चंदसूरदंसणिं करिस्संति छट्टे दिवसे जागरियं जागरिस्संति एकारसमे दिवसे वीइकंते संपत्ते बारसाहे दिवसे णिवित्ते असुइजायकम्मकरणे चोक्खे संमजिओवलित्ते विउलं असणपाणखाइमसाइमं उवक्खडावेस्संति ता मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरिजणं आमंतेत्ता तओ पच्छा एहाया कयबलिकम्मा जाव अलंकिया भोयणमंडवंसि सुहासणवरगया ते मित्तणाइजाव परिजणेण सद्धिं विउलं असण० आसाएमाणा विसाएमाणा परिभुंजेमाणा परिभाएमाणा एवं चेव ण विहरिस्संति जिमियभुत्तरागयाविय ण समाणा आयंता चोक्खा परमसुइभूया तं मित्तणाइजावपरिजणं विउलेणं वत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेस्संति सम्माणिस्संति ता तस्सेव मित्तजावपरिजणस्स पुरतो एवं वइस्संति जम्हा ण देवाणुप्पिया ! इमंसि दारगंसि गब्भगयंसि चेव समाणंसि अम्हं धम्मे दढा पइण्णा जाया तं होउ ण अम्हं एयस्स दारयस्स दढपइण्णे (इ) णामेण, तए ण तस्स दढपइण्णस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेजं करिस्संति दढपइण्णाइ य २, तए ण तस्स अम्मापियरो अणुपुव्वेण ठितिवडियं च चंदसूरियदरिसणं च धम्मजागरियं च नामधिजकरणं च पज्जेमणं च पडिवद्वावणं च पचंकमणं च कच्चवेहणं च संवच्छरपडिलेहणं च चूलोवणयं च अन्नाणि य बहूणि गब्भाहाणजम्मणाइयाइं महया इङ्गीसक्कारसमुदएणं करिस्संति ।८२। तए ण दढपतिणे दारए पंचधाईपरिक्खते खीरधाईए मज्जणधाईए अंकधाईए मंडणधाईए किलावणधाईए, अन्नाहि य बहूहिं चिलाइयाहिं वामणियाहिं वडभियाहिं बब्बरीहिं बउसियाहिं जोणियाहिं पण्णवियाहिं ईसिणियाहिं वारूणियाहिं लासियाहिं लाउसियाहिं दमिलीहिं सिंहलीहिं आरबीहिं पुलिंदीहिं पक्कीहिं बहलीहिं मुरंडीहिं पारसीहिं णाणादेसीविदेसपरिमंडियाहिं सदेसणेवत्थगहियवेसाहिं इंगियचिंतियपत्थियवियाणाहिं निउणकुसलाहिं विणीयाहिं चेडियाचक्कवालतरूणिवंदपरियालपरिवुडे वरिसधरकंचुइमहयरवंदपरिक्खते हृत्थाओ हृत्थं साहरिज्जमाणे उवनच्चिज्जमाणे अंगेण अंगं परिभुज्जमाणे उवगिज्जमाणे २ उवलालिज्जमाणे २ अवतासि० २ परिचुंबिज्जमाणे रम्मेसु मणिकोट्टिमतलेसु परंगमाणे २ गिरिकंदरमल्लीणेविव चंपगवरपायवे णिवाघायंसि सुहंसुहेणं परिवडिद्स्सइ, तए ण तं दढपतिणं दारगं अम्मापियरो सातिरेगअद्वावासजायगं जाणित्ता सोभणंसि तिहिकरणणक्खत्तमुहुत्तंसि एहायं कयबलिकम्मं कयकोउअमंगलपायच्छितं सव्वालंकारविभूसियं करेत्ता महया इङ्गीसक्कारसमुदएणं कलायरियस्स उवणेहिति, तए ण से कलायरिए तह दढपतिणं दारगं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणरूयपज्जवसाणाओ बावत्तरिं कलाओ सुत्तओ अत्थओ गंथओ (करणओ) पसिक्खावेहि य सेहावेहि य, तं०-लेहं गणियं रूयं नद्वं गीयं वाइयं सरगयं पुक्खरणयं समतालं जूयं १० जणवयं पासगं अद्वावयं पारेक्वं द्वगमद्वियं अन्नविहिं पाणविहिं वत्थविहिं विलेवणविहिं सयणविहिं २० अजं पहेलियं मागहियं णिद्वाइयं गाहं गीहयं सिलोगं हिरण्णजुत्ति सुवण्णजुत्ति आभरणविहिं ३० तरूणीपडिकम्मं इथिलक्खणं पुरिसलक्खणं ह्यलक्खणं गयलक्खणं गोणलक्खणं कुक्कुडलक्खणं छत्तलक्खणं चक्कलक्खणं दंडलक्खणं ४० असिलक्खणं मणिलक्खणं कागणिलक्खणं वत्थविज्जं णगरमाणं खंधवारं माणवारं पडिचारं वूहं पडिवूहं ५० चक्कवूहं गरूलवूहं सगडवूहं जुद्वं निजुद्वं जुब्बाइजुद्वं अटिजुद्वं मुटिजुद्वं बाहुजुद्वं लयाजुद्वं ६० ईसत्थं छरूप्पवायं धणुवेयं हिरण्णपागं सुवण्णपागं - माणपागं धाउपागं, सुत्तखेइडं वहृखेइडं णालियखेइडं पत्तच्छेजं कडगच्छेजं सज्जीवनिज्जीवं सउणरूय ७२ मिति, तए ण से कलायरिए तं दढपइण्णं दरगं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणरूयपज्जवसाणाओ बावत्तरिं कलाओ सुत्तओ य अत्थओ य गंथओ य करणओ य सिक्खावेत्ता सेहावेत्ता अम्मापिऊणं उवणेहिति,

તએ ણં તસ્સ દઢપઇણસ્સ દારગસ્સ અમ્માપિયરો તં કલાયરિયં વિઉલેણં અસણપાણખાઇમસાઇમેણં વત્થગંધમલ્લાલંકારેણં સક્કારિસ્સંતિ સમ્માણિસ્સંતિ તા વિઉલં જીવિયારિહં પીતિદાણં દલઇસ્સંતિ વિઉલં જીવિયારિહં૦ દલઇત્તા પડિવિસજોહિંતિ |૮૩| તએ ણં સે દઢપતિણે દારએ ઉમ્મુક્કબાલભાવે વિણાયપરિણયમિતે જોવ્વણગમણુપત્તે બાવત્તરિ- (૧૫૦) કલાપંડિએ અદ્વારસવિહદેસોપ્પગારભાસાવિસારએ ણવંગસુત્તપડિબોહિએ ગીયરર્ડ ગંધવ્વણદૃકુસલે સિંગારાગારચાર્ખવેસે સંગયગયહસિયભણિયચિદ્વિયવિલાસ-સંલાવનિઉણજુતોવયારકુસલે હ્યયજોહ્યી ગયજોહ્યી રહજોહ્યી બાહુજોહ્યી બાહુપ્પમદ્દી અલંભોગસમથે સાહસિએ વિયાલચારી યાવિ ભવિસ્સઝ, તએ ણં તં દઢપઇણં દારગં અમ્માપિયરો ઉમ્મુક્કબાલભાવં જાવ વિયાલચારિં ચ વિયાળિન્તા વિઉલેહિં અન્નભોગેહિ ય પાણભોગેહિં ય લેણભોગેહિં ય વત્થભોગેહિ ય સયણભોગેહિ ય ઉવનિમંતિહિંતિ, તએ ણં દઢપઇણે દારએ તેહિં વિઉલેહિં અન્નભોએહિં જાવ સયણભોગેહિં ણો સજીહિતિ ણો ગિજ્જિહિતિ ણો મુચ્છિહિતિ ણો અજ્ઞોવવજીહિતિ સે જહાણામએ પદમુપ્પલેતિ વા પદમેઝ વા જાવ સયસહસ્સપત્તેતિ વા પંકે જાતે જલે સંવુદ્ધે ણોવલિપ્પદ પંકરણં નોવલિપ્પદ જલરણં એવામેવ દઢપઇપ્પણેડવિ દારએ કામેહિં જાતે ભોગેહિં સંવદ્ધીએ ણોવલિપ્પિહિતિ૦ મિત્તણાઇણિયગસયણસંબંધિપરિજણેણં, સે ણં તથાર્ખવાણં થેરાણં અંતિએ કેવલં બોહિ બુજ્જિહિતિ કેવલં મુંડે ભવિત્તા અગારાઓ અણગારિયં પવ્વઇસ્સતિ, સે ણં અણગારે ભવિસ્સઝ ઈરિયાસમિએ જાવ સુહુયહુયાસણોઇવ તેયસા જલંતે, તસ્સ ણં ભગવતો અણુત્તરેણં ણાણેણં એવં દંસણેણં ચરિતેણં આલણેણં વિહારેણં અજ્જવેણં મદ્વવેણં લાઘવેણં ખન્તીએ મુત્તીએ અણુત્તરેણં સચ્ચસંજમતવસુચરિયફલણિવ્વાણમણેણ અપ્પાણં ભાવેમાણસ્સ અણંતે અણુત્તરે કસિણે પડિપુણે ણિરાવરણે ણિવ્વાઘાએ કેવલવરનાણદંસણે સમુપ્પજીહિતિ, તએ ણં સે ભગવં અરહા જિણે કેવલી ભવિસ્સઝ સદેવમણુયાસુરસ્સ લોગસ્સ પરિયાં જાણિહિતિ તં૦-આગતિં ગતિં ઠિતિં ચવણં ઉવવાયં તક્ક કંડ મણોમાણસિયં ખફ્યં ભુતં પડિસેવિયં આવીકમ્મં રહોકમ્મં અરહા અરહસ્સભાગી તં તં કાલં મણવયકાયજોગે વદ્વમાણાણં સંવ્વલોએ સંવ્વજીવાણં સંવ્વભાવે જાણમાણે પાસમાણે વિહરિસ્સઝ, તએ ણં દઢપઇન્ને કેવલી એયાર્ખવેણં વિહારેણં વિહરમાણે બહૂં વાસાં કેવલિપરિયાં પાઉણિત્તા અપ્પણો આઉસેસં આભોએત્તા બહૂં ભત્તાં પચ્ચકુખાઇસ્સઝ તા બહૂં ભત્તાં અણસણાએ છેઇસ્સઝ તા જસ્સદ્વાએ કોરઇ ણગભાવે કેસલોચબંભચેરવાસે અણહાણં અદંતવણં અચ્છત્તગં અણુવહાણગં ભૂમિસેજ્જાઓ ફલહસેજ્જાઓ પરઘરપવેસો લદ્ધાવલદ્ધાં માણાવમાણણાં પરેસિં હીલણાઓ ખિંસણાઓ ગરહણાઓ તાલણાઓ ઉચ્ચાવયા વિરુખા બાવીસં પરીસહોવસગા ગામકંટગા અહિયાસિજ્જંતિ તમદું આરાહેદ તા ચરિમેહિં ઉસ્સાસનિસ્સાસેહિં સિજ્જિહિતિ બુજ્જિહિતિ મુચ્છિહિતિ પરનિવ્વાહિતિ સંવદુક્કખાણમંતં કરેહિતિ |૮૪| સેવં ભંતે ! ૨ ત્તિ ભગવં ગોયમે સમણં ભગવં મહાવીરં વંદિ નમંસઝ તા સંજમેણં તવસા અપ્પાણં ભાવેમાણે વિહરતિ | ણમો જિણાણં જિયભયાણં, ણમો સુયદેવયાએ ભગવતીએ, ણમો પણણતીએ ભગવર્ઝાએ, ણમો ભગવાઓ અરહાઓ પાસસ્સ પરસ્સે સુપરસ્સે પરસ્સવણા ણમો |૮૫||